राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 06 अप्रैल 2024 वर्ष-7,अंक-72 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

-रेंज 700 मीटर तक, 10 एक मिनट में 600 फायर करेगी

नक्सलियों से निपटने अब छत्तीसगढ़ पुलिस चलाएगी साइलेंट एके-47

रायपुर।

देश के कई हिस्सों में नक्सलियों की मूवमेंट देखी जा सकती है और उनसे निपटने कई राज्यों की पुलिस संयुक्त अभियान भी चलाती हैं। सबसे ज्यादा नक्सलियों से प्रभावित है छत्तीसगढ़। अब छत्तीसगढ़ पुलिस अपने को और मजबूत करने रुस में बने हथियारों से लैस होगी और नक्सलियों की गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब दे सकेगी। छत्तीसगढ़ पुलिस नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने एक योजना बना रही है। इस योजना के तहत स्नाइपर राइफलें, नाइट विजन डिवाइस और इलेक्ट्रॉनिक फायरिंग वेपन सिम्युलेटर (बेसिक) खरीदेगी। इन हथियारों में 60 सायलेंसर वाली एके-47 के अलावा नाइट विजन डिवाइस, इलेक्ट्रोनिक फायरिंग वेपन और टेलीस्कोप डिवाइस शामिल हैं।

इस बार केंद्र सरकार ने रूस के साथ समझौता किया है। हाल ही में हथियारों की खरीदी के लिए टेंडर निकाला गया है। इससे पहले भी टेंडर निकाला गया था, जो किन्हीं कारणों से रद्द हो गया था। 60 सायलेंसर वाली एके-47 खासियत यह है कि इसकी गोली बेहद साइलेंट तरीके से चलती है। यह एक सेकेंड में 10 और एक मिनट में 600 गोलियां फायर करती है। और इसकी रेंज 700 मीटर तक है।

स्नाइपर राइफलें का वर्तमान में, सेना और विशेष बल इन राइफलों का उपयोग करते हैं। पुलिस को इन राइफलों का उपयोग करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की जरुरत होगी। नाइट विजन डिवाइस पुलिस को अंधेरे में भी दुश्मनों को देखने में मदद करेंगे। सेना वर्तमान में सीमा पर इन उपकरणों का इस्तेमाल करती है।

इनके इस्तेलाम करने के लिए विशेष प्रशिक्षण की दिया जाता है। छत्तीसगढ़ पुलिस दो प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक राइफलें खरीदेगी। इस योजना से छत्तीसगढ़ पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में इस्तेमाल कर सकेंगी।

बताया जा रहा है दो महीने के अंदर ये हथियार छत्तीसगढ़ के सशस्त्र बलों को दिए जाएंगे। हथियार खरीदने के लिए टेंडर जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद एक गंभीर समस्या है। नक्सली अक्सर घात लगाकर हमला करते हैं और पुलिस को निशाना बनाते हैं। आधुनिक हथियार पुलिस को नक्सलियों का बेहतर तरीके से निपटने में मदद करेंगे।

अगले दो दिनों में कई राज्यों में

भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली।

विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और ओडिशा के अलग-अलग स्थानों में दो दिन हीट वेव चलने की संभावना है। वहीं कई राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने ये भी कहा कि 9 अप्रैल तक पूर्वोत्तर क्षेत्र में तीव्र बारिश और तूफान की भी संभावना है। आईएमडी ने कहा कि ओडिशा, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, विदर्भ, उत्तरी आंतरिक

कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना के अलग-अलग इलाकों में लू चलने के आसार हैं। विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, गंगीय पश्चिम बंगाल, बिहार, तेलंगाना, झारखंड, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और ओडिशा के अलग-अलग स्थानों में हीट वेव की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का भी अनुमान लगाया गया है।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने आयोग 11 राज्यों से करेगा बातचीत

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में पिछले चुनावों के मुकाबले इस लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास तेज करते हुए केंद्रीय चुनाव आयोग ने आज उन 11 राज्यों के नगर निगम आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा, जहां पूर्व में कम मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया था। आयोग ने ग्रामीण और शहरी दोनों संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान की है जहां पिछले बार कम मतदान हुआ था। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, आयोग सबसे कम मतदान प्रतिशत वाले 11 राज्यों के नगर निगम आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा। आयोग ने कहा कि बैठक में 19 अप्रैल से सात चरणों में शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान बढ़ाने के तरीकों पर बातचीत की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार करेंगे और इस बैठक में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू भी मौजूद रहेंगे। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चयनित 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महाराष्ट्र, उत्तराखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और झारखंड शामिल हैं। 2019 के संसदीय चुनावों में इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदान औसत 67.40 प्रतिशत से कम रहा था जिसको लेकर आयोग चिंतित था इसलिए इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाने कर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। आयोग द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

पीएम मोदी 7 अप्रैल को जबलपुर से मप्र चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे

नई दिल्ली।

मप्र में वैसे तो लोकसभा चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई। राजनीति पार्टियां अपने अपने तरीक से चुनाव प्रचार में जुट गईं। लेकिन अभी स्टार प्रचारकों का दौरा शुरु नहीं हुआ है। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जबलपुर निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो करके मध्य प्रदेश में सत्ता पर काबिज भाजपा सरकार के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। भाजपा पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। लोकसभा चुनाव की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद पीएम मोदी का यह पहला प्रदेश दौरा होगा। भाजपा की शहर इकाई के अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री सात अप्रैल की शाम को जबलपुर में एक रोड शो करेंगे। पार्टी की बालाघाट जिला इकाई के प्रमुख राम किशोर कावरे ने कहा कि इसके दो दिन बाद पीएम मोदी बालाघाट में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। राज्य के महाकोशल क्षेत्र (दक्षिण-पूर्व) में स्थित बालाघाट, जबलपुर और छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्रों में 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान होना है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में आदिवासी मतदाता हैं। पीएम मोदी यहां से महाकौशल को साधने की कोशिश करेंगे। उनके इस दौर को लेकर भाजपा उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है।

10 सालों में जो काम हुआ, वह सिर्फ ट्रेलर...

अभी बहुत काम करना बाकी : नरेंद्र मोदी

राजस्थान के चूरू में कहा, ये धरती वीर बेटों को जन्म देने वाली

चुरु।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के चूरू में सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान पराक्रम और परिश्रम की धरती है। ये वीर बेटों को जन्म देने वाली वीर-वीरांगना माताओं की पवित्र भूमि है। इसकारण राजस्थान जो ठान लेता है, वहां पत्थर की लकीर बन जाता है। यही जज्बा मैं अपने सामने देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि राजस्थान का किसान, मेरे राजस्थान का नौजवान और आप सब माताएं-बहनें, इतनी बड़ी संख्या में दूर-दूर से हमें अपना आशीर्वाद देने आए हैं। यह भीड़ देखकर लगाता हैं कि पूरा राजस्थान कह रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चुरू में दिल्ली से नरेन्द्र, देवेंद्र के लिए आशीर्वाद मांगने आया है और जब नरेन्द्र, देवेंद्र के लिए आशीर्वाद मांगता है, तब चुरु के लोग छप्पर फाड़ कर आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया हैरान है कि भारत इतनी तेजी से कैसे विकास कर रहा है? दुनिया को पता नहीं है कि भारत की इस मिट्टी की बात ही कुछ और है। उन्होंने कहा कि हम जो ठान लेते हैं, वहां पूरा करके दिखाते हैं। पिछले 10 साल में आपने देश को बदलते देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 में आपने गरीब के इस बेटे को अपनी सेवा करने का मौका दिया। हताशा, निराशा ये

मोदी के पास भी नहीं फटक सकती। मैनें तय किया कि हालात बदलना ही होगा। मेरे लिए, मेरा भारत, मेरा परिवार है। पीएम मोदी ने कहा कि चुनौतियों को चुनौती देना, यही हमारी मिट्टी की ताकत है। हमारे राजस्थान में कहते हैं- अपनी करणी पार उतरणी। हमने परिश्रम किया और परिणाम लाकर दिखा दिया। उन्होंने कहा कि आज हम जल जीवन मिशन योजना लेकर घर-घर में पानी का कनेक्शन देने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। राजस्थान में करीब 50 लाख घरों में पीने का शुद्ध पानी पहुंच चुका है। कांग्रेस सरकार हमारी इस योजना में भी भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं छोड़ती थी। लेकिन अब उन कमियों को भी दूर किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान के 4.50 करोड़ जरूरतमंदों को हर माह मुफ्त राशन दिया जा रहा है। यानी जीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है। जो काम इतने दशक में नहीं हुए, वहां हमारी सरकार ने 10 साल में करके दिखाए। इसलिए मैं कहता हूं- जब नीयत सही, तब नतीजे सही आते हैं। उन्होंने कहा कि जो काम अब तक हुआ है, वहां सिर्फ ट्रेलर है। अभी बहुत कुछ करना है। बहुत सारे सपने हैं, हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि आज देश में मोदी की गारंटी की चर्चा हो रही है। मोदी की गारंटी कैसे पूरी होती है और कितनी रफ्तार से पूरी होती है, राजस्थान उसका बहुत बड़ा उदाहरण है।

इंडिया गठबंधन के प्रादेशिक सहयोगी दलों की बैठक आज

भोपाल । लोकसभा चुनाव के प्रचार और तैयारियों को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में प्रदेश के सभी सहयोगी राजनीतिक दलों की बैठे बुलाई गई है। इस बैठक में चुनाव प्रचार की रणनीति बनाई जायगी।यह बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में होने जा रही है। इंडिया गठबंधन के सभी सात पर्टियों के प्रदेश अध्यक्ष इस बैठक में शामिल होंगे। सभी राजनीतिक दलों के प्रदेश अध्यक्षों की इस राउंड टेबल मीटिंग में आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, सीपीआईएम,सीपीआई,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी,एनसीपी (शरद पवार) गुट, राष्ट्रीय जनता दल और समानता दल के प्रदेश अध्यक्ष को कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आमंत्रित किया है। इस बैठक में भाजपा के खिलाफ सामूहिक संघर्ष को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। 6 अप्रैल को महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया था। अब इंडिया गठबंधन के सभी दल मिलकर लोकसभा चुनाव के लिएभाजपा से लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे।

खजुराहो से इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी का पर्चा निरस्त होन पर अखिलेश बोले-ये लोकतंत्र की हत्या

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं इण्डिया गठबंधन के एक अहम नेता अखिलेश यादव ने कहा कि सपा प्रत्याशी का नामांकन निरस्त करना सरेआम लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने मामले में न्यायिक जांच की मांग की है और इसे लोकतांत्रिक अपराध बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि खजुराहो सीट से इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन निरस्त करना सरेआम लोकतंत्र की हत्या है। कहा जा रहा है कि हस्ताक्षर नहीं थे तो फिर देखनेवाले अधिकारी ने फार्म लिया ही क्यों। ये सब बहाने हैं और हार चुकी भाजपा की हताशा। जो न्यायालय के कैमरे के सामने छल कर सकते हैं वो फार्म मिलने के बाद पीठ पीछे क्या-क्या साजिश रचते होंगे। भाजपा बात में ही नहीं काम में भी झूठी है और समस्त प्रशासनिक तंत्र को भ्रष्ट बनाने की दोषी भी। इस घटना की भी न्यायिक जांच हो, किसी का पर्चा निरस्त करना लोकतांत्रिक अपराध है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह का तमिलनाडु दौरा रद्द

चेन्नई। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आजकल लोकसभा चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। शाह चुनाव प्रचार करने के लिए शुक्रवार को तमिलनाडु आने वो थे। किन्ही कारणों के चलते शाह का यह दौरा रद्द कर दिया गया है। भाजपा सूत्रों ने पुष्टि की है कि कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का आज का दौरा रद्द कर दिया गया है। शाह शिवगंगा, तेनकासी में रोड शो करने वाले थे और भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशी के लिए वोट मांगने कन्याकुमारी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने यहां आने वाले था। सूत्रों का कहना है कि अमित शाह चुनाव प्रचार के लिए राज्य का दौरा करेंगे और इसकी पुष्टि जल्द ही की जाएगी।

भाजपा राष्ट्रीय अधयक्ष ने मायादेवी, भैरव मन्दिर में पूजा अर्चना के बाद लिया संतों का आशीर्वाद

पुनर्जागरण का दौर है और प्रधानमंत्री मोदी ने मठ मंदिरों का कराया जीर्णोद्धार: जेपी नड्डा

हरिद्वार । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पुनर्जागरण का दौर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मठ मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। 10 साल पहले प्रधानमंत्री और राजनेता मंदिरों से दूर रहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस धारणा को दूर किया। पीएम मोदी के नेतृत्व में जो हम देश में विकास के लिए राजनीतिक लड़ाई को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यह जो अभी का दौर है यह भारत का दौर है और इसीलिए लाल किले के प्राचीन से भी उन्होंने कहा यही समय है और सही समय तो वह जो सही समय है यह भारत के गौरव का और भारत का दौर है ऐसा हम मानते पिछले 10 वर्षों में आध्यात्मिक जगत हो चाहे सांसारिक जगत देश में बदलाव का दौर देखा आज से 10 साल पहले हम कहीं ना कहीं भ्रम भावना से ग्रसित हो रहे थे, हमारा नेतृत्व वह दिशा व दृष्टि वह दिशा नहीं दे पाया और इसीलिए हम सब लोग जानते हैं कि एक ऐसा दौर आया जब भारत पिछड़ता हुआ दिखा। भाजपा के राष्ट्रीय अधयक्ष श्री नड्डा आज हरिद्वार के जूना अखाड़े में संत आशीवार्द समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में बदलता गांव और जब हम बदलते दौर की बात करते हैं तो फूलों की राजनीति से लेकर विदेश नीति तक हर जगह भारत का प्रथम प्रधानमंत्री मोदी ने परचम लहराया और भारतीय विचारधारा को सात्विक विचारधारा को आगे बढ़ाया है हम यह भी देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की नेतृत्व में 21वीं शताब्दी भारत की जागृत अवस्था की शताब्दी बन रही है, यानी भारत अब जागृत अवस्था में हमको देखना है और इसीलिए यही तभी संभव हो पाया है कि हम 500 साल के संघर्ष के पश्चात जिस लड़ाई की शुरुआत और उसकी नींव इसी हरिद्वार की पूज्य भूमि पर रखी गई थी उसकी सरकार होते हुए 500 साल के संघर्ष के बाद हमने रामलाला का प्राण प्रतिष्ठा देखी और रामलाला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए खुशी की बात हैं कि एक दौर यह भी था जब प्रधानमंत्री मंदिरों से मठों से दूर रहा करते थे और पीएम मोदी के नेतृत्व में देखा कि कठोर सात्विक अनुष्ठान के 11 दिन के पश्चात प्राण प्रतिष्ठा करने के लिए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए।

यूपी के 16 हजार मदरसों को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश मदरसा एजुकेशन एक्ट को रद्द करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा संचालकों की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई कर फैसला दिया है।मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने मामले में केंद्र और यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी बेंच में शामिल थे।

बेंच ने कहा, मदरसा बोर्ड का उद्देश्य नियामक है। इलाहाबाद हाई कोर्ट का यह कहना पहली नजर में ठीक नहीं है कि मदरसा एजुकेशन बोर्ड का गठन करना सेकुलरिज्म के खिलाफ है। बता दें कि बीते सप्ताह ही इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी सरकार को आदेश दिया था कि वह मदरसे के छात्रों को आम स्कूलों में ट्रांसफर करे और उनका नामांकन कराए। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ मदरसा अजीजिया इजाजुतूल उलूम के मैनेजर अंजुम कादरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इससे पहले 22 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने यूपी मदरसा एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार देकर निरस्त कर दिया था। इसके बाद यूपी में संचालित करीब 16 हजार मदरसों की मान्यता को योगी सरकार ने खत्म कर दिया था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा संचालकों को बड़ी राहत दी है।

संपादकीय

काम करे लोकतंत्र

भारत में चुनावी सरगर्मी के दौर में सत्ता में आने, सत्ता बचाने और सत्ता छीनने की तेज जद्दोजहद के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय की यह टिप्पणी सुखद और स्वागतयोग्य है कि लोकतंत्र को अपना काम करने दिया जाए। दरअसल, दिल्ली उच्च न्यायालय ने भ्रष्टाचार के आरोप में पिछले महीने हुई गिरफ्तारी के बाद अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली तीसरी याचिका को खारिज कर दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अगुवाई वाली पीठ ने दिल्ली के उप-राज्यपाल को किसी तरह की सलाह देने से भी मना कर दिया है। केजरीवाल के खिलाफ दायर की गई इन याचिकाओं की दलील है कि अदालत दिल्ली के उप-राज्यपाल को निर्देशित करे और मुख्यमंत्री का इस्तीफा लिया जाए। वास्तव में, पद न छोड़ने या पद से हटाने की राजनीति कतई अदालती विषय नहीं है। किसी भी नेता को किसी पद से हटाने की अपनी स्थापित परंपराएं हैं, उन परंपराओं में अदालती हस्तक्षेप से न्यायपालिका और विधायिका के बीच विवाद की स्थिति बन सकती है। अत- अदालत के रुख की प्रशंसा होनी चाहिए और जो लोग केजरीवाल को हटाने के पक्ष में हैं, उन्हें जिम्मेदार राजनीतिक आकाओं पर दबाव बनाना चाहिए। नैतिकता का सवाल अलग-अलग ढंग से किसी नेता को परेशान करता है और नेता अलग-अलग ढंग से इस सवाल का जवाब देते हैं। नैतिकता का प्रश्न केवल नेताओं को ही नहीं, बल्कि राजनीतिक पार्टियों को भी परेशान करता है। अब के दौर में जो चलन है, उसके अनुसार, राजनीतिक पार्टियां अपने मतदाताओं के मानस को समझकर ही फैसला लेती हैं। आम आदमी पार्टी में भी चुने हुए सभी विधायक यदि अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाए रखने के पक्ष में हैं, तो उन्हें ऐसा करने का हक है। उन्होंने निश्चित ही इस बड़े फैसले के लाभ-हानि पर विचार किया होगा। ऐसे में, उच्च न्यायालय ने उचित ही इशारा किया है कि 'उप-राज्यपाल को हमारे मार्गदर्शन की जरूरत नहीं है। हम उन्हें सलाह देने वाले कोई नहीं हैं। उन्हें कानून के अनुसार, जो भी करना होगा, वह करेंगे।' कहना न होगा, जिस देश में चार करोड़ से ज्यादा मामले अदालत में लंबित हों, वहां राजनीति को अपने हर झगड़े के निपटारे के लिए कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाना चाहिए। न्यायालय या न्यायपालिका की अपनी सीमा है और राजनीति से जुड़ी नैतिकता की दुहाई देते हुए न्यायालय पहुंचने की परिपाटी हमारी समग्र व्यवस्था के अनुकूल नहीं है। एक सुखद पहलू है कि इस देश में नैतिकता के सवाल पर पहले अनेक राज्य सरकारें बर्खास्त हुई हैं, पर इधर सरकारों की बर्खास्तगी के प्रति केंद्र सरकार में संवेदना बढ़ी है, तो यह लोकतंत्र की परिपक्वता का भी एक प्रमाण है। सरकारों को मर्जी से नहीं, बल्कि संविधान से प्रेरित होना चाहिए। ध्यान रहे कि अरविंद केजरीवाल को कथित शराब नीति घोटाले के सिलसिले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और वह अपनी लड़ाई अदालत और अवाम के बीच बड़ी मुखरता से लड़ रहे हैं। उनके पक्ष में ऐसे नेताओं की बड़ी संख्या है, जो मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को गलत मानते हैं। अदालत भी पहले संकेत कर चुकी है कि अभियोजन चल रहा है और आरोपी को जमानत पर छोड़ा भी जा सकता है। इस मामले के पटाक्षेप में समय लग सकता है, फिर भी अगर कुछ लोग इस मोर्चे पर जल्दी मचाना चाहते हैं, तो उनके पास किसी को पद से हटाने के लिए अकाट्य तर्क होने चाहिए।

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

लोकतंत्र का उजाला अंतिम व्य-क्ति तक पहुंचा रही भाजपा

(लेखक-विष्णुदत्त शर्मा/)

-भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर विशेष

हमारी भारतीय जनता पार्टी का इतिहास भारतीय जनसंघ से जुड़ा है। जनसंघ की नींव श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने रखी थी। स्वतंत्रता के बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सम्मिलित रहे थे किंतु नेहरू-लियाकत समझौते का विरोध एवं पंडित नेहरू की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के विरोध में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने 19 अप्रैल 1950 को केंद्रीय उद्योग मंत्री के पद से त्यागपत्र देकर कांग्रेस के विकल्प के रूप में एक नया राजनीतिक दल खड़ा करने का निर्णय किया। 21 अक्टूबर 1951 को दिल्ली में जनसंघ की स्थापना हुई थी जिसके संस्थापक के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, प्रोफेसर बलराज मधोक जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी प्रमुख थे और जनसंघ का चुनाव चिन्ह दीपक तथा झंडा भगवा रंग का रखा गया। देश में सामान नागरिक सहिता, गौहत्या पर प्रतिबंध एवं जम्मू कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करना जनसंघ की राजनीति के प्रमुख विषय थे। वर्ष 1975 तक जनसंघ इन्ही मुद्दों को लेकर अपनी राजनीति कर रहा था किंतु इंदिरा गाँधी द्वारा आपातकाल की घोषणा एवं आपातकाल के विरोध में सयुंक्त मोर्चा खड़ा करने के उद्देश्य से तत्कालीन जनसंघ के नेतृत्वकर्ताओं ने 1977 में जनसंघ का विलय जनता पार्टी में किया किंतु अपने वैचारिक अधिष्ठान के स्वाभिमान हेतु जनता पार्टी से अलग होकर श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी, श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी सहित जनसंघ के अन्य नेताओं ने 6 अप्रैल, 1980 को पंच निष्ठाओं के आधार पर भारतीय जनता पार्टी के नाम से नए राजनैतिक दल की स्थापना की। भारतीय जनता पार्टी के शून्य से शिखर की इस 44 वर्षों की यात्रा में कई अच्छे-बुरे पड़ाव आये है किंतु अपने ध्येयों की वजह से हमारा संगठन अपने मूल विचार पर आज भी चट्टान की भांति अडिग है। श्रद्धेय अटलजी संगठन के पहले अध्यक्ष बने एवं 1980 में भारतीय जनता पार्टी का प्रथम अधिवेशन मुंबई में आयोजित किया गया था। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्रद्धेय अटलजी ने भविष्यवाणी की थी, वो आज सत्य सिद्ध हो चुकी है। उन्होंने कहा था- मैं ये भविष्यवाणी करने का साहस करता हूं कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। मूलतः भाजपा की यह यात्रा एक विचार की है जिसके आधार पर भाजपा देश के अन्य राजनीतिक दलों से अलग है। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष होने के नाते मैं यह गंभीरता के साथ कह सकता हूँ कि वर्तमान राजनीति में संभवतः भाजपा ही एक मात्र राजनीतिक पार्टी है जो व्यक्ति या परिवार पर आधारित ना होकर अपनी विचारधारा पर आधारित है। हमारी इसी वैचारिक स्पष्टता एवं अपने कार्यों के प्रति सक्रियता से ऐसे अनेक विषयों का समाधान हुआ है, जिनकी कल्पना करना भी असंभव था। दो सीटों पर विजय से शुरू हुआ भाजपा का संसदीय सफर आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 400 का जादुई आकंडा छूने के नजदीक है। आज देश के हर कोने में भाजपा की सशक्त उपस्थिति है। आज भाजपा के बिना देश में कोई राजनीतिक प्रक्रिया सम्भव नहीं है। पूर्वोत्तर के जिन राज्यों में भाजपा का सत्ता में आना कुछ समय पहले तक मृग मरीचिका माना जाता था, वहाँ की जनता ने भी भाजपा को अपना आशीर्वाद दिया और असम, त्रिपुरा, मणिपुर सहित अन्य राज्यों में भी भाजपा की सरकारें बनीं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की हर छोटी से बड़ी पंचायत में भाजपा की प्रभावी उपस्थिति दिनोंदिन बढ़ रही है। अब चहुँओर कमल ही खिलता दिखाई दे रहा है। चप्पा चप्पा भाजपा, यह अब नारा नहीं आज की तारीख में एक हकीकत बन चुका है। जिन सपनों को लेकर जनसंघ से लेकर भाजपा के कार्यकर्ता गाँव-गाँव गए, वे आज साकार हुए हैं। इस दीर्घकालिक प्रक्रिया में पार्टी ने एक से बढ़कर एक पराक्रमी और परिश्रमी नेतृत्व देखा। स्वएर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी से लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तक भाजपा ने देश की दलगत राजनीति में ऐसे प्रेरणा के पुँज दिए हैं, जिनकी आभा से राजनीतिक जगत जगमगा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के रूप में हमारे नेतृत्व की संकल्प शक्ति की वजह से ही लगभग पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के पश्चात आज अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर के निर्माण का सपना वास्तविकता बना है। हमारे संस्थापकों ने एवं भाजपा के असंख्य कार्यकर्ताओं ने श्री रामलला को अपने मंदिर में विराजमान देखने हेतु अपनी चुनी हुयी सरकारें भी न्योछावर कर दीं, यह अपने विचारधारा पर अडिग रहने का एक उदाहरण मात्र है। हमारे पितृपुरुषों का संकल्प एवं एक देश में दो विधान दो प्रधान दो निशान नहीं चलेंगे की पूर्ति स्वरूप प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार द्वारा लिया गया अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय हमारी ध्येय पूर्ति की यात्रा का और एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार एवं हमारे पूर्व राष्ट्री य अध्यक्ष एवं देश के वर्तमान गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के कार्यकाल में भाजपा ने श्रद्धेय अटलजी की सरकार तथा तत्कालीन संगठन की नीतियों को दिशा देने के प्रयास के साथ ही अपनी विचारधारा अनुरूप राष्ट्र सर्वोपरि मानकर अनेकानेक ऐतिहासिक निर्णय किये हैं, जो हमारी विचारों की स्पष्टता को प्रतिलक्षित करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दृढ इच्छाशक्ति से जो सपना हमारे संस्थापकों ने भारत को विश्व गुरु बनाने का देखा था आज उस ओर हम कर्तव्यपरायणता के साथ अग्रसर हैं। हमारी ध्येय यात्रा में केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली पूर्ण बहुमत की सरकार आते ही तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून, आपराधिक न्यायिक कानूनों में बदलाव के साथ ही पंडित दीनदयालजी जी के अंत्योदय पर आधारित गरीब- कल्याण की योजनाओं के द्वारा करोड़ों गरीब लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने का काम भी हुआ है। वास्तव में, केंद्र और राज्यों की हमारी सरकारें सुशासन के प्रति समर्पित रहती हैं क्योंकि यही लोकतंत्र की आवश्यकता है। भाजपा समाज के आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात ही नहीं करती, बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। भाजपा द्वारा जनकल्याण के इस कार्य हेतु अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली हमारी केंद्र की सरकार ने अंत्योदय के सिद्धांत अनुरूप ही 50 करोड़ से अधिक लोगों के जनधन खाते खुलवाए। आयुष्मान, उज्ज्वला और आवास योजनाएं संचालित की गई। देश खुले में शौच से मुक्त हो गया, घर घर बिजली पहुंचाई। 10 करोड़ से अधिक के गैस कनेक्शन दिए। हर घर शुद्ध पेयजल पहुँचाया। यह कुछ प्रमुख कार्य है जो देश की पूर्ववर्ती सरकारों के 50 वर्षों के शासनकाल की प्राथमिकता होनी चाहिए थी, किन्तु वोट बैंक की राजनीति की वजह से किसी एक वर्ग विशेष की चिंता ही उनकी राजनीति की प्राथमिकता रही है।

आज भारत ही नहीं पूरा विश्व देख रहा है कि एक राजनीतिक दल और उसका नेतृत्व किस प्रकार अपने उन संकल्पों को पूरा करने में सफल सिद्ध हुआ है, जिन्हें पूरा करना कभी असंभव सा लगता था। अपनी सांस्कृतिक पहचान के साथ विश्व में एक बड़ी ताकत बनकर उभरे भारत ने अपने पुराने स्वाभिमान और आत्मवगौरव को भी वापस हासिल किया है। राष्ट्रीय संकट में जनकल्याण की कसौटी पर भी भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाजपा के नेतृत्व ने एक अनूठा उदाहरण विश्व के समक्ष प्रस्तुभत किया है। कोरोना संकट में दुनिया के अनेक देशों ने जहाँ अपने नागरिकों को अपने हाल पर छोड़ दिया, वहीं भारत में भाजपा की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने हर नागरिक के जीवन को अमूल्य मानते हुए उनके लिए अनाज के साथ दवाओं और अन्य वस्तुओं को उपलब्ध कराया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका तो निभाई ही, हर नागरिक के लिए उसे मुफ्त उपलब्ध कराने हेतु विश्व का सबसे बड़ा वैक्सिनेशन अभियान चला कर दुनिया से अपने सामर्थ्य का लोहा भी मनवा लिया। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास ही भाजपा का जीवन-मंत्र बन गया है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता और उसके प्रति निष्ठा ने ही भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने का गौरव प्रदान किया है। अपनी 44 वर्षों की इस यात्रा में आज हमारी भाजपा भारतीय राजनीति के जिस शीर्ष पर पहुंची है, वो हमारी विचारधारा के प्रति एकनिष्ठ और समर्पित भाव से बढ़ते रहने के कारण ही संभव हुआ है। आमजन के जीवन में बदलाव लाकर उसे देश की मुख्य भूमिका में लाने में भाजपा के नेतृत्व ने अद्भुत सफलता पायी है, इस तथ्य को संसार के लगभग सभी राजनीतिक जानकार स्वीकारते हैं। अपने 45 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल ने चार दशक पूर्व जो सपने देखे, वह तो साकार हुए ही हैं, साथ ही स्वाधीनता के अमृत वर्ष में मोदी जी के नेतृत्व में भारत 2047 के लिए अपना दिशा-सूत्र बना चुका है, जिसको पूरा करने का दारोमदार भी भारतीय जनता पार्टी के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं के कंधों पर है। निश्चित ही भाजपा अपनी संकल्प शक्ति, निष्ठा और नियति से इसे पूरा करेगी तथा देश के भविष्य-निर्माण की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाते हुए संकल्प-सिद्धि की ओर अग्रसर रहेगी।

(-लेखक, मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष एवं खजुराहो लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं।)

समझें ग्लोबल वॉर्मिंग के जोखिमों की गंभीरता

जलवायु संकट

ज्ञानेन्द्र रावत

विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, अगले पांच साल में वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने के 66 फीसदी आसार हैं। हालांकि पर्यावरण विज्ञानी जेक हौसफादर की मानें तो 1.5 डिग्री से. वैश्विक तापमान 2030 से पहले पहुंचने की उम्मीद नहीं है। लेकिन हरेक साल 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान के करीब पहुंचना भी बड़ा संकट है। ला नीना से अल नीनो में तबदील होने की स्थिति में जहां पहले बाढ़ आती थी वहां अब सूखा पड़ेगा और जहां पहले सूखा पड़ता था वहां अब बाढ़ के आने का अंदेशा है। दुनिया में तापमान में हो रही बढ़ोतरी खतरे का संकेत है। जलवायु परिवर्तन ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। दरअसल, तापमान की तुलना का यह वह समय है जब औद्योगीकरण से फॉसिल फ्यूल का उत्सर्जन शुरू नहीं हुआ था। विज्ञानियों ने अल नीनो के कारण गर्मी के इस तरह के भीषण उफान की आशंका जताई है। यह सब कोयला, तेल और गैस के जलाने की सभी सीमाएं पार करने का दुष्परिणाम है। फिर बीते सालों की प्राकृतिक घटनाओं को देखते हुए यह कम आश्चर्यजनक नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने में तत्परता से कारगर कदम उठाने में वैश्विक समुदाय उतना सजग नहीं दिखता जितना होना चाहिए। बीते साल मार्च, 2023 से इस साल 2024 के बीच के बारह महीनों में वैश्विक तापमान ने 1.5 डिग्री की सीमा को पार कर लिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन यानी डब्ल्यूएमओ की रिपोर्ट की मानें तो न केवल बीता वर्ष बल्कि पूरा बीता दशक धरती पर अभी तक का सबसे गर्म दशक रहा है। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यह वर्ष भी गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। यूरोपीय पर्यावरणीय एजेंसी यानी ईईए की मानें तो यूरोप तेजी से बढ़ते तापमान के कारण जलवायु संबंधित खतरों से जूझने के लिए तैयार नहीं है। जंगलों की आग की चपेट में वहां के घर आ रहे हैं, मौसमी आपदाओं का असर लोगों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इस बाबत ईईए की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर कहती हैं कि यूरोप की जलवायु खतरे में है। यह खतरा हमारी तैयारियों की तुलना में तेज गति से बढ़ रहा है। हमें फसल और लोगों की सुरक्षा के लिए तात्कालिक कार्रवाई की जरूरत है। यदि निर्णायक कार्रवाई अभी नहीं हुई तो सदी के अंत तक अधिकतर जलवायु खतरे गंभीर होंगे। यदि तापमान वृद्धि दर पर अंकुश नहीं लगा तो सदी के अंत तक गर्मी से 1.5 करोड़ लोगों की जिंदगी संकट में आ जायेगी। इसका अहम कारण जीवाश्म ईंधन के उत्सर्जन से सदी के अंत तक सर्वाधिक गर्मी होना है। अमेरिका की पर्यावरण संस्था ग्लोबल विटनेस और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कहा कि दुनिया की प्रमुख जीवाश्म ईंधन कंपनियों द्वारा तेल और गैस का अत्यधिक मात्रा में उत्सर्जन अहम कारण है। यदि उत्सर्जन स्तर 2050 तक यही रहा तो 2100 तक गर्मी भयावह स्तर तक पहुंच जायेगी। नतीजा लाखों जिंदगियों के अस्तित्व पर सवालिया निशान हो सकता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के मॉडल पर गौर करें तो प्रत्येक मिलियन टन कार्बन में बढ़ोतरी से दुनियाभर में 226 अतिरिक्त हीटवेव की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी। यूरोपीय देशों में तेल कंपनियों में उत्पादित जीवाश्म ईंधन में 2050 तक वायुमंडल में 51 अरब टन कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन बढ़ जायेगा। वहीं शुद्ध शून्य कार्बन लक्ष्य की प्राप्ति के बाद भी 55 लाख जिंदगियां जोखिम में होंगी। शोधकर्ताओं के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में हीटवेव ने तकरीबन हर महाद्वीप को प्रभावित किया।

क्लाइमेट चेंज जर्नल में प्रकाशित अध्ययन की मानें तो यदि तापमान में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो जहां हिमालय में सूखा पड़ने की संभावना प्रबल है, वहीं सर्वाधिक नुकसान कृषि क्षेत्र को उठाना पड़ेगा। इससे सबसे अधिक भारत और ब्राजील का 50 फीसदी से अधिक कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा। क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से हिमालय पर कम सर्दी का सामना करना पड़ेगा। इसका कारण मौसम का पैटर्न बदलना रहेगा। वहीं अत्यधिक तापमान के असर से समय पूर्व जन्म दर में बढ़ोतरी का खतरा 60 फीसदी तक बढ़ जायेगा। बच्चों में हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों के लिए जिम्मेदार होगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो बढ़ते तापमान से अमेरिका से चीन तक खेत तबाह हो चुके हैं। इससे फसलों की कटाई, फलों का उत्पादन और डेयरी उत्पादन सभी दबाव में हैं। बाढ़, सूखा और तूफान की बढ़ती प्रवृत्ति ने इसमें और इजाफा किया है। वाशिंगटन में सेंटर फार स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के खाद्य विशेषज्ञ कहते हैं कि उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया के बड़े हिस्से के किसान मुश्किल में हैं। दक्षिणी यूरोप में गर्मी के कारण गायें दूध कम दे रही हैं। इटली में अंगूर, खरबूजे, सब्जियों और गेहूं का उत्पादन प्रभावित हुआ है। मछलियों का आवास भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगा। संयुक्त राष्ट्र की जलवायु समिति के अनुसार यदि धरती के तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रोकना है तो 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 43 फीसदी तक घटाना होगा। आज धरती 1.7 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो चुकी है। दरअसल, समस्या की जड़ जीवाश्म ईंधन है जिससे हमें दूर जाने की जरूरत है। फिर जलवायु संरक्षण की कार्रवाई में जी-20, सीओपी-29 और सीओपी 30 का आपस में कुछ न कुछ जुड़ाव जरूर है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसमें ग्लोबल साउथ की भूमिका कहां तक और कितनी सफल होगी, यह भविष्य के गर्भ में है। इसमें यह भी अहम है कि ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि को डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए हमें किस तापमान को बनाये रखने की जरूरत है, इस पर विचार करना महत्वपूर्ण होगा।

विचार मंथन

आदेश का पालन नहीं करने पर हाईकोर्ट ने कहा,आर्थिक आपातकाल...

(लेखक- सनत जैन)

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन सरकारों द्वारा नहीं होता है, यह समय-समय पर यह देखने को मिलता है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिकाओं की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। जिसके कारण अब न्यायपालिका का गुस्सा भी अवमानना याचिका कीसुनवाई के दौरान दिखने लगा है। कई वर्षों के बाद न्यायपालिका से न्याय की आस लगाए याचिकाकर्ताओं को जब न्याय मिलता है। सरकार जब उसका निर्णय पालन नहीं करती है, तो अवमानना याचिका लेकर फिर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट याचिकाकर्ता पहुंचते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन बाबा रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि ने कई महीनो तक नहीं किया था। कई महीनो तक यह मामला चलता रहा। सुप्रीम कोर्ट बार-बार आदेश करती रही। लेकिन बाबा ने जब सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया। तब सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख अख्तियार करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आयुर्वेदाचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट में हाजिर होने के आदेश दिए। बाबा और बालकृष्ण सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित हुए। उन्होंने हाथ जोड़कर सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने माफी स्वीकार नहीं की। अवमानना याचिका पर कार्यवाही जारी रखी। बाबा रामदेव और पतंजलि को जो नोटिस जारी किए गए थे। उनका जवाब देने के लिए सुप्रीमकोर्ट द्वारा कहा गया।

कुछ इसी तरह का मामला मध्य प्रदेश की हाईकोर्ट में देखने को मिला है। जस्टिस रोहित आर्य और जस्टिस राजेंद्र कुमार की ग्वालियर खंडपीठ ने मध्य प्रदेश सरकार को स्वर्ण रेखा नदी की फेंसिंग कराने के लिए, प्रोजेक्ट रिपोर्ट के अनुसार 2 करोड रुपए आवंटित करने के सरकार को आदेश दिए। हाईकोर्ट के कई आदेश के बाद भी सरकार नदी की फेंसिंग के लिए 2 करोड रुपए का फंड उपलब्ध नहीं करवा पाई। इस पर खंडपीठ ने नाराजी जताते हुए कहा, मध्य प्रदेश सरकार के पास यदि 2 करोड रुपए नहीं है। ऐसी स्थिति में आर्थिक आपातकाल लगा दें? सरकार करोड़ों रुपए सभाओं में खर्च कर रही है। हजारों करोड़ों रुपए सरकार बांट रही है। जनता के जरूरी काम के लिए हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी सरकार के पास 2 करोड रुपए नहीं है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह भी कहा, चौराहे के सौंदर्य और नवीनीकरण के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। आम जनता की मूलभूत सुविधाओं के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है। हाईकोर्ट ने यहां तक कह दिया, कि लगता है ग्वालियर सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। अब इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में 12 अप्रेल को होगी। हाईकोर्ट के इस रूख को देखते हुए अधिकारी पीठ के सामने एक दूसरे की बंगलें झांकते रहे। कोई भी हाईकोर्ट को जवाब नहीं दे पाया। हाईकोर्ट आदेश का पालन कैसे और कितने दिन में करेंगे।

जब सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों को सरकार और सरकार के अधिकारी नहीं मानते हैं। इसका असर ऊपर से लेकर नीचे तक होता है। बाबा रामदेव जैसे लोगों के ऊपर भी होता है। जिनके ऊपर सरकार की कृपा है। जो पूंजीपति हैं। वह भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करते हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट यदि अपने आदेशों का पालन नहीं करवा पाएगी,ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की कोई साख नहीं रहेगी। सुप्रीमकोर्ट एवं देश के सभी हाईकोर्ट में हजारों की संख्या में अवमानना याचिका वर्षों से लंबित है। आम जनता के मन में अब यह धारणा मजबूत होती जा रही है, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को जब सरकार नहीं मान रही है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के ऊपर विश्वास करना, बरसों मुकदमा लड़ने और लाखों रुपए मुकदमे में खर्च करने का कोई मतलब नहीं है। न्यायपालिका के प्रति लोगों की यह धारणा बनने लगी है। इस धारणा को न्यायपालिका ही तोड़ सकती है। न्यायपालिका के निर्णयों

का सरकार अथवा अधिकारियों द्वारा यदि पालन नहीं किया जाता है। ऐसी स्थिति में आम आदमी का न्यायपालिका को कठोर कदम उठाने चाहिए। अन्यथा न्यायपालिका पर जो भी विश्वास, आम जनता के बीच में अभी बना हुआ है। वह नहीं होगा। यह संविधान और लोकतंत्र को कमजोर करेगा।

लगातार सातवीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं: शक्तिकांत दास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रिजर्व बैंक ने एक बार फिर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करते हुए 6.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि एमपीसी ने वृहद आर्थिक परिस्थितियों की समीक्षा करने के बाद बहुमत से रेपो रेट को स्थिर रखने का फैसला लिया है। एमपीसी के 6 सदस्यों में से 5 ने रेपो रेट में बदलाव नहीं करने का फैसला लिया। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली एमपीसी बैठक 3 अप्रैल को शुरू हुई थी। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब देश में लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। ऐसे में विशेषज्ञ पहले ही संभावना जता रहे थे कि इस बार भी ब्याज दरों और आरबीआई के रुख में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। महंगाई दर और ओ र्थिक गतिविधियों में स्थिरता को देखते हुए रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत की अगुवाई में कमेटी ने ब्याज दरें स्थिर रखने का फैसला किया है। आरबीआई की रुख में बदलाव नहीं होना बताता है कि केंद्रीय बैंक ने अभी भी महंगाई दर को नियंत्रित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया हुआ है। केंद्रीय रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी, 2023 में रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ोतरी के बाद रेपो रेट 6.5 प्रतिशत कर दी गई। इसके बाद लगातार 7 बार केंद्रीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक हो चुकी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर क्रमशः 8.2 और 8.1 प्रतिशत कर दिया है। पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही थी।

सॉवरेन ग्रीन बांड में पात्र विदेशी निवेशकों को भी अनुमति

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि उसने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बाद अब पात्र विदेशी निवेशकों को भी सॉवरेन ग्रीन बांड (एसजीआरबी) में निवेश करने की अनुमति प्रदान कर दी है। आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक छात्रावास नीति की घोषणा करते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में की गई एक घोषणा के आधार पर केंद्र सरकार ने जनवरी 2023 में एसजीआरबी जारी किए। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकारी उधारी कैलेंडर के हिस्से के रूप में एसजीआरबी भी जारी किए गए थे। वर्तमान में सेबी में पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के लिए उपलब्ध अलग-अलग रूट के तहत एसजीआरबी में निवेश करने की अनुमति है। एसजीआरबी में व्यापक प्रवासियों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में पात्र विदेशी निवेशकों को भी ऐसे बांड में निवेश करने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। सरकार और आईएफएससी प्राधिकरण के परामर्श से आईएफएससी में पात्र विदेशी निवेशकों द्वारा एसजीआरबी में निवेश और व्यापार के लिए एक योजना अलग से अधिसूचित की जा रही है।

आरबीआई सरकारी प्रतिभूति बाजार में लाएगा मोबाइल ऐप

नई दिल्ली । भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वह सरकारी प्रतिभूति बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी को सरल बनाने के लिए जल्द ही एक मोबाइल ऐप पेश करेगा। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए यह प्रस्ताव किया। नवंबर, 2021 में पेश की गई आरबीआई की रिटेल डायरेक्ट स्कीम व्यक्तिगत निवेशकों को केंद्रीय के साथ गिल्ट खाते बनाए रखने और सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने की सुविधा प्रदान करती है। यह योजना निवेशकों को प्राथमिक नीलामी में प्रतिभूतियों को खरीदने के साथ-साथ एनडीएस-ओएम मंच के जरिये प्रतिभूतियों को खरीदने या बेचने में सक्षम बनाती है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस पहुंच को और सरल तथा बेहतर बनाने के लिए रिटेल डायरेक्ट पोर्टल की एक मोबाइल ऐप बनाई जा रही है। यह ऐप निवेशकों को अपनी सुविधानुसार चलते-फिरते उपकरण खरीदने और बेचने में सक्षम बनाएगा। ऐप शीघ्र ही उपयोग के लिए उपलब्ध होगा।

रूसी तेल के निर्बाध कारोबार की अनुमति अस्वीकार्य थी और रहेगी: अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका ने कहा कि रूसी तेल के निर्बाध कारोबार की अनुमति देना उसे हमेशा से ही अस्वीकार्य था और रहेगा। अमेरिका ने कहा कि पश्चिमी देशों की ओर से रूस के पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें तय करने का उद्देश्य मॉस्को को कम दाम पर तेल बेचने के लिए मजबूर करना है। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका ने भारत को रूस से आयात किए जाने वाले तेल की मात्रा कम करने के लिए नहीं कहा है। आर्थिक नीति से जुड़े अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री एरिक वान नोस्ट्रैंड ने अनंता केंद्र में एक परिचर्चा के दौरान यह बात कही। नोस्ट्रैंड ने कहा कि जी-7 समूह देशों की ओर से रूसी तेल की कीमतों को तय करने से जहां यूक्रेन में युद्ध की खातिर रूस को धन जुटा पाना मुश्किल हुआ, वहीं यूरोप और उभरते बाजारों में ऊर्जा की आपूर्ति को स्थिर बनाने में भी मदद मिली। अमेरिकी अधिकारी ने कहा` कि भारत जैसे उभरते बाजारों को वैश्विक बाजारों की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध रूसी तेल से लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि रूसी तेल की कीमतें तय करने का उद्देश्य एक ऐसे बाजार विकसित करना रहा है जहां रूस भारी रियायती दर पर निश्चित मात्रा में तेल की आपूर्ति करे तथा उसे मुनाफा भी कम से कम हो।

नेक्सजेन एनर्जिया ने उतारी दोपहिया ईवी

नोएडा ।

इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी नेक्सजेन एनर्जिया ने 36,990 रुपये की कीमत वाला किफायती दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में लांच किया है। इसकी कीमत 36,990 रुपये से शुरू होती है जो कंपनी का सबसे किफायती मॉडल है। कंपनी ने कहा कि यह मॉडल आने वाली पीढ़ी के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नेक्सजेन एनर्जिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहन को सबके लिए व्यवहार्य बनाना है ताकि भविष्य को हरित बनाया जा सके। कंपनी का उद्देश्य चालू वित्त वर्ष में 500 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री करना, 500 से अधिक वितरक नेटवर्क स्थापित करना और ईवी क्षेत्र में लगभग 50,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करना है। कंपनी अगले वित्त वर्ष में दुनिया का सबसे किफायती चार-पहिया वाहन पेश करने की योजना पर काम कर रही है जिसकी कीमत पांच लाख रुपये से भी कम होगी।

आरबीआई ने 2024-25 में 4.5 प्रतिशत पर मुद्रास्फीति रहने का अनुमान जताया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि इस वर्ष मानसून की स्थिति को सामान्य मानते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहली तिमाही में मुद्रास्फीति के 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। दास ने अप्रैल-जून के बीच ऊंचे तापमान के अनुमान को देखते हुए खाद्य पदार्थों की कीमतों के मोर्चे पर सतर्क रहने की जरूरत बताई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईंधन की कीमतों में कमी का असर आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति पर दिखाई देगा। हालांकि दास ने कहा कि ऐसा लगता है कि हाथी (महंगाई) टहलने गया है और आरबीआई चाहता है कि वह जंगल में ही रहे। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधरित मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत के स्तर पर रखने का लक्ष्य दिया है।

शेयर बाजार को मिली ताकत....वैश्विक संकेतों के बावजूद बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स नए शिखर पर पहुंचने में सफल रहा

मुंबई ।

नीतिगत ब्याज दर को स्थिर रखने के भारतीय रिजर्व बैंक के फैसले से घरेलू शेयर बाजार का सूचकांक सेंसेक्स नकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद शुक्रवार को कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन मामूली बढ़त के साथ नए शिखर पर पहुंचने में सफल रहा जबकि निफ्टी में मामूली गिरावट रही।

शुक्रवार को बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 20.59 अंक बढ़कर 74,248.22 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 74,361.11 का नया उच्चस्तर भी छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी 0.95 अंक की मामूली गिरावट के साथ 22,513.70 अंक पर बंद हुआ। बिकवाली के असर में निफ्टी के 50 में से 28 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

दरअसल भारतीय बाजार नीतिगत रीपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने के रिजर्व बैंक के फैसले से एक सीमित दायरे में रहे। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने लगातार सातवीं बार रीपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। लेकिन अप्रैल-जून के दौरान सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने के अनुमान को देखकर खाद्य मुद्रास्फीति चिंता का विषय बनी हुई है। बाजार जानकार ने कहा, हालांकि आरबीआई की नीतिगत बैठक उम्मीद के मुताबिक ही रही लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति पर चिंता और लू की चेतावनी ने कारोबारी धारणा को प्रभावित किया।'' इसके असर में सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इनमें अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, मारुति, टाइटन और जेएसडब्ल्यू स्टील प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके उलट कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी और एसबीआई के शेयर 2.09 प्रतिशत तक की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई लार्जकैप सूचकांक में 0.15 प्रतिशत की तेजी रही जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में 0.50 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 प्रतिशत बढ़कर 90.75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार गुरुवार को काफी हद तक गिरावट के साथ बंद हुए थे।

नायर ने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और पश्चिम एशिया में तनाव से वैश्विक धारणा कमजोर हुई है। ब्याज दर को लेकर फेडरल रिजर्व के भावी रुख पर स्पष्टता की तलाश में निवेशक आगामी अमेरिकी गैर-कृषि रोजगार आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं।''

शेयर बाजार आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने गुरुवार को 1,136.47 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिक्री की थी। पिछले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स 350.81 अंक बढ़कर 74,227.63 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ था।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड ने एसबीआई के साथ किया 252.5 करोड़ रुपये का टर्म लोन एग्रीमेंट

हैदराबाद ।

कस्टम-बिल्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सॉल्यूशंस के डिजाइन, डेवलपमेंट और असेंबली के लिए प्रसिद्ध अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड (बीएसईः 540879, एनएसईः क्क्रस्ळ) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ 252.5 करोड़ रूपये का टर्म लोन एग्रीमेंट किया है। लोन की प्रकृति टर्म लोन (टीएल) और वर्किंग कैपिटल (डब्ल्यूसी) क्रेडिट फेसिलिटी के रिन्यूएबल के साथ साथ एनहांसमेंट भी है। लोन की कुल राशि को इस प्रकार विभाजित किया गया है - 110 करोड़ रुपये का टर्म लोन (टीएल) आगामी परियोजना, इंटिग्रेटेड प्लांट फॉर इनजीनियस डिफेंस सिस्टम्स (आईपीआईडीएस) के लिए हैदराबाद में हार्डवेयर पार्क में और भारतीय स्टेट बैंक से 142.50 करोड़ रुपये की वर्किंग कैपिटल (डब्ल्यूसी) क्रेडिट फेसिलिटी के नवीनीकरण के साथ वृद्धि के लिए। इससे पहले, फरवरी में, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसने इंजेनियस डिफेंस सिस्टम्स (आईपीआईडीएस) के लिए इंटिग्रेटेड प्लांट का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। कंपनी ने पहाड़ी शरीफ, हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित हार्डवेयर पार्क -2 में 5 एकड़ भूमि में क्षमता विस्तार के साथ सुविधाओं को बढ़ाकर अपने मैन्यूफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड का उद्देश्य मिसाइलों और उसके सब-सिस्टम का निर्माण करना है और इस फैसिलिटी में हथियारों का एमआरओ भी करने का है। कंपनी इस फैसिलिटी से अनमैन्ड एरियल सिस्टम और अनमैन्ड ग्राउंड सिस्टम के निर्माण के लिए भी मिलकर काम कर रही है। यह मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी लगभग पाँच एकड़ भूमि पर कुल 3,50,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल के साथ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार एंड-टू-एंड मैन्यूफैक्चरिंग एंड क्वालिफिकेशन सेटअप के साथ 210 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ बनाई जाएगी। कंपनी का इरादा लगभग 400 लोगों को अतिरिक्त रोजगार प्रदान करना है।

apollo microsystems

आरबीआई जल्द शुरू करेगा यूपीआई के जरिए कैश डिपॉजिट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई जल्दी ही यूपीआई से कैश डिपॉजिट मशीन में पैसे जमा करने की सेवा की शुरुआत कर सकता है। गवर्नर ने ये घोषणा नई मॉनेटरी पॉलिसी के दौरान की। गौरतलब है` कि मौजूदा समय में एटीएम से यूपीआई से कैश निकालने की सुविधा है। आप आसानी से किसी भी बैंक के एटीएम पर कैशलेस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं। फिलहाल आरबीआई की ओर से कैश डिपॉजिट मशीन में पैसे जमा करने की सुविधा जल्द शुरू करने का ऐलान किया गया है। हालांकि ये सुविधा कब तक शुरू होगी। इसके लिए कोई निश्चित तारीख नहीं बताई गई है। आरबीआई गवर्नर की ओर से कहा गया कि आरबीआई रिटेल डायरेक्ट में जल्द ऐप लांच करेगा। इसके जरिए निवेश आसानी से सीधे आरबीआई के साथ सरकारी सिक्योरिटी में निवेश कर सकते हैं। मौजूदा समय में आप आरबीआई पोर्टल के जरिए सीधे सरकारी सिक्योरिटी में निवेश करने के लिए केंद्रीय बैंक के पास अकाउंट खोल सकते हैं। आरबीआई की ओर से अप्रैल 2024 की मॉनेटरी पॉलिसी मे रेपो रेट को यथावत 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। इसके साथ ही एसडीएफ और एमएसएफ को 6.25 प्रतिशत और 6.75 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। इसके अलावा गवर्नर ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

केंद्रीय बैंक की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा की मुख्य बातें

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश की। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं-

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो 6.5 फीसदी पर कायम।
- 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार। यह 2023-24 के 7.6 प्रतिशत के अनुमान से कम है।
- चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 4.5 प्रतिशत पर रहने का अनुमान। यह 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है।
- खाद्य कीमतों पर अनिश्चितताएं मुद्रास्फीति के परिदृश्य को प्रभावित करेंगी।
- ग्रामीण मांग बढ़ने से 2024-25 में उपभोग से आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद।
- सामान्य मानसून की उम्मीद के बीच रबी गेहूं की अच्छी फसल तथा खरीफ फसल की संभावनाएं बेहतर होने से कृषि, ग्रामीण गतिविधियों का परिदृश्य बेहतर।
- मजबूत ग्रामीण मांग, मुद्रास्फीति का दबाव कम होने और विनिर्माण और सेवा गतिविधियों में तेजी से निजी खपत को प्रोत्साहन मिलेगा।
- लंबे समय तक भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार मार्गों में बढ़ते व्यवधानों से उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियां परिदृश्य के लिए जोखिम।
- वृद्धि की मजबूत रफ्तार के साथ 2024-25 के लिए जीडीपी अनुमान से आरबीआई के लिए मूल्य स्थिरता के मोर्चे पर ध्यान देने की नीतिगत गुंजाइश।
- अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में सॉवरेन हरित बॉन्ड के कारोबार की अनुमति
- सरकारी प्रतिभूतियों में खुदरा भागीदारी की सुविधा के लिए एक मोबाइल ऐप पेश किया जाएगा।
- यूपीआई के जरिये बैंकों में नकदी जमा करने की सुविधा मिलेगी।
- गैर-बैंक भुगतान प्रणाली ऑपरेटरों को सीबीडीसी (सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी) वॉलेट की पेशकश करने की अनुमति
- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का शुद्ध प्रवाह 2023-24 के दौरान 41.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। यह 2014-15 के बाद दूसरा सबसे ऊंचा एफपीआई प्रवाह है।
- भारत दुनिया में रेमिटेंस या धन प्रेषण पाने में सबसे आगे।
- 2024-25 में चालू खाते घाटा एक ऐसे स्तर पर रहेगा जो व्यवहार्य और उल्लेखनीय रूप से प्रबंधन के दायरे में होगा।

ऐपल ने 600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन ।

आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल ने 600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कार और स्मार्टवॉच डिस्प्ले प्रोजेक्ट्स को बंद करने की घोषणा के बाद से ही कंपनी द्वारा कर्मचारियों की छंटनी किए जाने की आशंका जताई जा रही थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक कैलिफोर्निया एंप्लॉयमेंट डेवलपमेंट डिपार्टमेंट को जमा की गई फाइलिंग्स से ऐपल द्वारा कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने का पता चला है। फरवरी के ओ खिरी में एप्पल ने दोनों प्रोजेक्ट्स को बंद करना शुरू किया था।

पिछले साल से टेक इंडस्ट्री में छंटनी का संकट छाया हुआ है। ट्विटर से लेकर गूगल, अमेजन, मेटा जैसी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर लोगों को नौकरी से निकाला है। ऐपल का हेडक्वार्टर कैलिफोर्निया के कुपर्टिनो में है। स्थानीय नियमों के अनुसार कंपनियों को छंटनी या कर्मचारियों को काम से निकालने के बारे में जानकारी देनी होती है। ऐपल ने वर्कर एडजस्टमेंट एंड रिट्रेनिंग नोटिफिकेशन के अनुपालन में आठ अलग-अलग फाइलिंग में कर्मचारियों की छंटनी के बारे में बताया। कैलिफोर्नियो के कानून के तहत यह अनुपालन जरूरी होता है। रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 87 लोग नेक्स्ट जनरेशन स्क्रीन डेवलपमेंट के लिए एक सीक्रेट ऐपल फैसिलिटी से संबंधित पते पर काम कर रहे थे, जबकि अन्य कार प्रोजेक्ट से संबंधित इमारतों में थे। कैलिफोर्निया के सांताक्लारा में ऐपल के कार-संबंधित मुख्य कार्यालय से 371 कर्मचारियों को निकाल दिया गया। इसके अलावा कई दूसरे कार्यालयों में भी दर्जनों कर्मचारी छंटनी से प्रभावित हुए।

सऊदी अरब कर सकता है पाकिस्तान में 1 अरब डॉलर का निवेश

- सऊदी अरब अगले महीने रेको डिक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट में निवेश करेगा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की लगातार खराब होती आर्थिक स्थिति को सऊदी अरब से बड़ी मदद मिलने जा रही है। सऊदी अरब के पाकिस्तान में 1 अरब डॉलर के निवेश करने की संभावना है। बलूचिस्तान प्रांत के चाघी जिले स्थित रेको डिक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट में सऊदी से निवेश कर सकता है। पाकिस्तान के एक अखबार ने वित्त मंत्रालय के हवाले से कहा है कि सऊदी अरब अगले महीने इस परियोजना में निवेश करेगा। ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (ओजीडीसीएल) और पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (पीपीएल) के शेयर सऊदी को बेचे जाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ परियोजना में सऊदी किंगडम के निवेश के लिए एक वित्त मंत्रालय समिति ग ठित करेंगे। समिति में ओजीडीसीएल, पीपीएल और ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारी शामिल होंगे। वित्त और ऊर्जा मंत्रालय समिति के गठन के लिए प्रधानमंत्री को अपनी रिपोर्ट भेजेंगे। इसके बाद समिति के सदस्य निवेश पर अंतिम चर्चा के लिए सऊदी अरब रवाना होंगे। सऊदी में दोनों देशों के अधिकारी रेको डिक परियोजना में निवेश के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार दावा कर रही है कि यह खनन परियोजना गेम-चेंजर है और बलूचिस्तान को इससे 33 फीसदी वित्तीय लाभ मिल सकता है। परियोजना में 50 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली बैरिक गोल्ड ने बीते साल अगस्त में कहा था कि वह सऊदी अरब के सार्वजनिक निवेश कोष (पीआईएफ) को लाने के लिए तैयार है। परियोजना में बाकी शेष 50 प्रतिशत भागीदारी पाकिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत की सरकारों के पास है। इसे संघीय सरकार और बलूचिस्तान सरकार के बीच समान रूप से बांटा जाएगा। इससे पहले सैन्य-प्रभुत्व वाली विशेष निवेश सुविधा परिषद (एसआईएफसी) ने रेको डिक प्रोजेक्ट में सऊदी अरब के पक्ष में पाकिस्तान और बैरिक गोल्ड की हिस्सेदारी को समान रूप से कम करने के लिए सलाहकारों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी थी। साल 2022 में बैरिक गोल्ड ने अदालत के बाहर समझौते में पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद को खत्म करते हुए प्रोजेक्ट शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी। सौदे के तहत कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालत में अपना मामला वापस ले लिया, जिसने 2011 में फर्म और उसके भागीदारों के अनुबंधों को निलंबित करने के लिए पाकिस्तान पर 11 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया था।

मार्च में वेज थाली महंगी, नॉन-वेज सस्ती हुई

नई दिल्ली ।

भारत में खाने की थाली की कीमत बढती जा रही है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया है कि घर में तैयार की गई हर शाकाहारी थाली की कीमत मार्च में 7 फीसदी बढ़कर 27.3 रुपये हो गई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यानी मार्च 2023 में इसी थाली की कीमत 25.5 रुपये थी। मार्च 2024 में मांसाहारी थाली की कीमत 7 फीसदी कम हो गई है। मार्च 2023 में जहां इसकी कीमत 59.2 रुपये प्रति थाली थी, मार्च 2024 में यह घटकर 54.9 रुपये पर आ गई। बता दें कि क्रिसिल ने रिपोर्ट तैयार करते समय शाकाहारी थाली में रोटी, प्याज, टमाटर, चावल, आलू, दाल,दही और सलाद को शामिल किया है। इसका मतलब यह है कि शाकाहारी थाली में इन सारी चीजों को मिलाकर जो एक थाली की कीमत बैठी वह मार्च 2024 में 27.3 रुपये थी। इसी तरह मांसाहारी थाली का भी हाल है। जितने तरह के आइटम्स शाकाहारी थाली में शामिल किए गए थे, वही सारे मांसाहारी थाली में भी शामिल किए गए। फर्क बस इतना है कि इसमें चिकन (ब्रायलर) को जोड़ दिया गया है।

जिसके चलते कीमत भी शाकाहारी थाली के मुकाबले बढ़कर 54.9 रुपये हो गई। घर में पकाई गई थाली की औसत लागत का कैलकुलेशन भारत के सभी भागों यानी उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में इनपुट कीमतों के आधार पर की जाती है। क्रिसिल की रोटी चावल रेट रिपोर्ट के मुताबिक प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें सालाना आधार पर क्रमशः 40 फीसदी, 36 फीसदी और 22 फीसदी बढ़ने की वजह से शाकाहारी थाली महंगी हो गई।

भारत, दक्षिण अफ्रीका में डोपिंग के सबसे अधिक मामले मिले : वाडा

नई दिल्ली । भारत में भी अब खेलों में डोपिंग के मामले तेजी से बढ़ रह हैं। इसका कारण खिलाड़ियों का अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबंधित दवाओं का प्रयोग माना जा रहा है। वहीं कई बार अनजाने में ली गयी दवा से ये प्रतिबंधित पदार्थ खिलाड़ी के अंदर चले जाते हैं जिसके कारण भी वह जांच में पॉजिटिकव निकल जाते हैं। विश्व की डोपिंग रोधी संस्था वाडा ने कहा है कि भारत में खिलाड़ियों के डोपिंग में असफल रहने के सबसे ज्यादा मामले सामने आये हैं। वाडा के अनुसार 2000 या अधिक टेस्ट कराने वाले देशों में भारत में डोपिंग के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किये गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका इसमें दूसरे नंबर पर है। वाडा के अनुसार भारत में 3865 नमूनों की जांच की गई जिनमें से 125 पॉजीटिव पाये गये। ये नमूनों की संख्या का 3.2 फीसदी है।वहीं नमूनों की जांच के मामले में भारत 11वें स्थान पर है पर डोपिंग के मामले रूस 85, अमेरिका 84, इटली 73 और फ्रांस 72 जैसे देशों से ज्यादा हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने 2023 नमूनों की जांच की जिसमें से 2.9 फीसदी पॉजीटिव रहे जबकि तीसरे स्थान पर कजाखस्तान रहा उसके खिलाड़ियों के 2174 नमूनों में से 1.9 फीसदी पॉजीटिव निकले। चौथे स्थान पर नॉर्वे और अमेरिका रहे। चीन के रिकॉर्ड 19228 नमूनों की जांच की गयी। उसके पॉजिटिव खिलाड़ियों की तादाद म 0.2 फीसदी रही।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

दोनों की टीम के लिए सिरदर्द बना उनका टॉप ऑर्डर

जयपुर ।

खराब फॉर्म से दो चार हो रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और शानदार प्रदर्शन कर रही राजस्थान रॉयल्स दोनों को अपने शीर्षक्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। आरसीबी फिलहाल दस टीमों में आठवें स्थान पर है, जो उसके खराब प्रदर्शन को दिखाता है। वहीं रॉयल्स दूसरे स्थान पर है, लेकिन इसके बाद भी उसके शीर्षक्रम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। आरसीबी के पास शीर्षक्रम में कप्तान फाफ डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन और रजत पाटीदार जैसे शानदार आक्रामक बल्लेबाज हैं, लेकिन कोई भी एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली दो अर्धशतक सहित 203 रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल कर चुके हैं, लेकिन कोहली को दूसरे छोर से किसी भी खिलाड़ी का सहयोग नहीं मिला। पाटीदार ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 29 रन बनाए लेकिन उनसे इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। कैमरून ग्रीन की जगह प्लेइंग इलेवन में विस्फोटक बल्लेबाज विल जैक्स को शामिल किया जा सकता है। मयंक डागर की जगह लेग स्पिनर कर्ण शर्मा को मौका मिल सकता है। दूसरी ओर रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अच्छा फॉर्म लेकर आईपीएल में आए थे, लेकिन तीन मैचों में 39 रन ही बना सके हैं। जोस बटलर की भी यहीं कहानी है। बटलर ने तीन मैचों में 35 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 85 का रहा है। रॉयल्स की बल्लेबाजी की धुरी कप्तान संजू सैमसन (109 रन) और रियान पराग (181 रन) रहे हैं। दोनों को दूसरे बल्लेबाजों से भी सहयोग की जरूरत होगी। गेंदबाजी में राजस्थान का पलड़ा भारी है,उसके पास तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और नांद्रे बर्गर के अलावा अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल है। ये तीनों मिलकर 16 विकेट ले चुके हैं। अनुभवी रविचंद्रन अश्विन ने हालांकि तीन

मैचों में एक ही विकेट लिया है। पिछले मैच में फिटनेस की वजह से नहीं खेलने वाले संदीप शर्मा की वापसी हो सकती है। संदीप, आवेश या चहल में से किसी एक का इस्तेमाल इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में होगा।

संभावित प्लेइंग इलेवन

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: विराट कोहली, फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विल जैक्स, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत (विकेटकीपर), कर्ण शर्मा, रीस टॉपले, मोहम्मद सिराज, यश दयाल।

इम्पैक्ट के विकल्प- सुयश प्रभुदेसाई, महिपाल लोमरोर, मयंक डागर, विजयकुमार वैशाख, स्वप्निल सिंह

राजस्थान रॉयल्स: यशस्वी जयसवाल, जोस बटलर, संजू सैमसन (विकेटकीपर/कप्तान), रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, अवेश खान, नंद्रे बर्गर, युजवेंद्र चहल।

इम्पैक्ट के विकल्प- रोवमैन पॉवेल, तनुश कोटियन, कुलदीप सेन, शुभम दुबे, संदीप शर्मा।

विविधता के लिए अपनी गति को कम न करें मयंक : इशांत

बेंगलुरू ।

सीनियर साथी इशांत शर्मा ने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से धूम मचाने वाले युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव को अपनी तेज रफ्तार से समझौता नहीं करने को कहा है। इशांत के अनुसार आमतौर पर युवाओं को गेंदबाजी में विविधता जोड़ने के लिए गति कम करने की सलाह दी जाती है पर मेरा मानना है कि मयंक को ऐसा नहीं करना चाहिये। मयंक ने रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आईपीएल के वर्तमान सत्र की सबसे तेज गेंद फेंकी थी। मयंक को इसके बाद इशांत और एक अन्य तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने भी गेंदबाजी को लेकर अहम सलाह दी हैं। मयंक ने कहा,'दिल्ली में मैंने जितने भी गेंदबाजों से बात की उनमें इशांत और सैनी ने मुझसे कहा कि कि अगर मैं कुछ नया जोड़ना चाहूं, तब भी इसी गति से गेंदबाजी करता रहूं। ' अगर मैं अपनी गेंदबाजी में नया कौशल जोड़ना चाहता हूं तो मुझे इसे अपनी गति को बरकरार रखते हुए ही जोड़ना चाहिए। मुझे किसी तरह का ऐसा कौशल नहीं चाहिए जिसमें मुझे अपनी गति से समझौता करना पड़े।'आरसीबी के खिलाफ चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेने वाले मयंक ने कहा कि उनका ध्यान हमेशा ही विकेट हासिल करने पर लगा रहता है। मयंक ने कहा,'मेरा ध्यान गति पर उतना नहीं होता है जितना विकेट लेने और विकेट लेकर टीम के लिए योगदान देने पर रहता है। हालांकि गेंदबाजी करते समय मेरे दिमाग में यह बात रहती है कि जब भी मैं गेंद करूं तो उसकी गति अच्छी होनी चाहिए। मैच के दौरान मैं केवल अपनी गेंदबाजी पर ध्यान केंद्रित करता हूं।'

पेरिस ओलंपिक से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दम दिखाने आज उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

पर्थ । शानदार फॉर्म में दिख रही भारतीय पुरूष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को पुख्ता करने शनिवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। इस श्रृंखला से भारत को पेरिस ओलंपिक से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों को आंकने का मौका मिलेगा। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा, पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए यह श्रृंखला बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमारा फोकस अपनी रणनीति पर प्रभावी अमल करके ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का मुहंतोड़ जबाव देना है। यह मैच दो बजे से खेला जाएगा। भारत ने आखिरी बाद 2014 में विदेश में टेस्ट श्रृंखला जीती थी। फरवरी में एफआईएच प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन के बाद टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। भारत ने प्रो लीग में भुवनेश्वर में चार में से तीन मैच जीते और राउरकेला में अपराजेय रही। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसे दोनों मैचों में पराजय मिली। दोनों टीमें ओलंपिक में एक ही ग्रुप में है, इसकारण दोनों ही टीमों को एक दूसरे को आंकने का मौका मिलेगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। हमें पता है कि आस्ट्रेलिया कठिन प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन हमें अपनी क्षमता और तैयारियों पर भरोसा है। हमारा लक्ष्य सिर्फ इस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करना नहीं बल्कि एक ईकाई के रूप में खुद को निखारना भी है। अभी तक आस्ट्रेलिया और भारत के बीच कुल मैच 43 खेले गए है जिसमें से ऑस्ट्रेलिया ने 28 जीते और भारत ने 8 मैचों में जीत दर्ज किया हैं साथ ही 7 मैच ड्रॉ रहे।

बीसीसीआई ने बेहतर निर्णय के लिए एसआरएस सिस्टम लांच किया

खेल में तकनीक के बढ़ाने से कई लोग नाराज

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बेहतर डिसीजन मेंकिंग के लिए तकनीक के दखल को बढ़ाते हुए नया कैमरा बेस्ड रिव्यू सिस्टम लांच किया है, इस स्मार्ट रिप्ले सिस्टम यानी एसआरएस का नाम दिया गया है। इसके लिए स्टेडियम पर अलग-अलग लोकेशंस पर नए हाई स्पीड कैमरों को लगाया गया है जो विभिन्न एंगल से फोटों लेकर इन्हें जल्द फैसला लेने के लिए थर्ड अंपायर तक भेजते हैं। हालांकि एक धड़ा ऐसा भी है जो खेलों या क्रिकेट में तकनीक के बहुत अधिक 'प्रवेश' के पक्ष में नहीं है। इस गुट का मानना है कि खेल में तकनीक का थोड़ा इस्तेमाल ठीक है, लेकिन इस पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता ठीक नहीं है, क्योंकि इससे काफी वक्त जाया होता है। साथ ही यह ह्यूमन ब्रेन के तुरतफुरत फैसले और किसी प्लेयर को 'किस्मत' (अंपायर के गलत निर्णय की स्थिति में) का साथ मिलने के अधिकार पर भी अतिक्रमण करता है। कुछ लोगों का कहना है कि बैट्समैन के ठीक सामने खड़ा अंपायर ही गेंद की 'दिशा' को सटीक जज कर पाने की स्थिति में होता है और टेक्नॉलाजी को भी पूरी तरह एरर प्रूफ नहीं माना जा सकता। वैसे क्रिकेट/आईपीएल में टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रभाव का एक पॉजिटिव पहलू यह भी है कि इससे दर्शकों को मैचों को बेहतर क्वालिटी का टेलीकास्ट देखने को मिल रहा है। साफ पिक्चर क्वालिटी और अलग-अलग एंगल से मैच के विजुअल्स उन्हें मैच का पूरा मजा दे रहे हैं। मैदान में विभिन्न स्थानों पर आठ हाइस्पीड हॉकआई कैमरे लगाए गए हैं, इसके साथ ही दो हॉकआई कैमरा ऑपरेटर, टीवी अंपायर के साथ बैठकर उन्हें रियल टाइम इमेज और डेटा उपलब्ध कराते हैं, ताकि कम समय में सटीक फैसला लेने में मदद मिले। इस नए सिस्टम के आने से टीवी ब्रॉडकास्टर का काम कम हुआ है जो कि पहले हॉक हाई ऑपरेटर और अंपायर के बीच की अहम कड़ी थे। नए सिस्टम से टीवी अंपायर विजुअल/डेटा का और बेहतर तरीके से विश्लेषण कर सकते हैं। स्मार्ट रिप्ले सिस्टम के तहत सटीक विजुअल स्क्रीन पर दिखता हैं, इसमें स्पलिट स्क्रीन का विकल्प भी रहेगा जिससे फैसला लेना पहले की तुलना में अधिक आसान हो गया है। एसआरएस वैसे जरूरत पड़ने तब हर तरह के डिसीजन में अंपायर की मदद करेगा लेकिन बाउंड्री रोप के बेहद नजदीक लिए गए कैच या फील्डिंग अटेम्पट, एलबीडब्ल्यू, स्टंपिंग और रनआउट के जटिल फैसलों में इसके विजुअल्स, टीवी अंपायर के लिए बेहद उपयोगी है। क्रिकेट में फैसलों को सटीक बनाने के लिए पहले से ही स्निकोमीटर, स्मार्ट बेल्स एंड स्टंप्स, स्पाइडर कैम, अंपायर्स कैमरा, हॉटस्पाट और स्पीडगन जैसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की हार के बाद बरसे कोच रिकी पोंटिंग

विशाखापत्तनम। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में बुधवार 3 अप्रैल को खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की टीम को मिली हार से हर कोई हैरान है। टॉस जीतकर इस दिल्ली के खिलाफ मैच में कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। टीम के प्रमुख स्पिनर सुनील नरेन से गौतम गंभीर ने फिर से ओपनिंग कराई और उन्होंने आकर 39 गेंद पर 85 रन की पारी खेल डाली। कोलकाता ने शुरुआती 11 ओवर में 150 रन ठोक डाले। डेब्यू करने उतरे अंगक्रिश रघुवंशी ने भी तेज अर्धशतक जमाया। आखिर में आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह की पारी की बदौलत टीम 272 रन तक पहुंचने में कामयाब हुई। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राडर्स से 106 रन से मिली हार को अस्वीकार्य और निराशाजनक बताया। उन्होंने टीम के कप्तान ऋषभ पंत समेत तमाम गेंदबाजों की जमकर लताड़ा और पूरी टीम को फटकार लगाई है। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले केकेआर को सात विकेट पर 272 रन बनाने दिए और बाद में पूरी टीम 17.2 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कांफेंस में कहा ,'' अभी इसकी समीक्षा करना मुश्किल है। पहले हाफ में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत निराश हूं। इतने रन देना समझ से परे है। हमने 17 वाइड गेंद डाली और अपने ओवर पूरे करने में दो घंटे लगे। नतीजा हम फिर दो ओवर पीछे रह गए जिसके मायने है कि आखिरी दो ओवर डालने वालों को सर्कल के बाद चार ही फील्डर मिले।'' कोलकाता के खिलाफ रसिक सलाम ने 3 ओवर में 47 रन दिए जबकि एनरिच नॉर्खिया ने 4 ओवर के बाद 59 रन खर्च कर डाले। ईशांत शर्मा ने 3 ओवर करने के बाद 43 रन लुटाए। उन्होंने कहा ,'' मैच में बहुत कुछ हुआ जो अस्वीकार्य है। हम टीम के भीतर इस पर बात करेंगे और जल्दी ही इसमें सुधार करेंगे। खुलकर अच्छी बातचीत होना जरूरी है।

ओल्टमेंस से कोच बनने बात कर रहा पाकिस्तान हॉकी महासंघ

लाहौर । पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए अब नीदरलैंड के रोलेंट ओल्टमेंस को अपनी राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनाना चाहता है। इसी को लेकर पीएचएफ अब ओल्टमेंस से बात कर रहा है। पीएचएफ ने मलेशिया और पोलैंड में मई जून में होने वाले अजलन शाह कप और नेशंस कप के लिये ओल्टमेंस को पाक टीम का कोच बनने को कहा है। ओल्टमेंस भारतीय टीम के भी कोच रहे हैं। पीएचएफ के एक गुट के सचिव राणा मुजाहिद ने कहा है कि ओल्टमेंस से संपर्क किया गया है जबकि दूसरे धड़े का के सचिव हैदर हुसैन ने कहा है कि मुजाहिद के गुट को पीएचएफ से बाहर किया जा सकता है। ओलंपियन कलीमुल्लाह, वसीम फिरोज, नासिर अली और हनीफ खान के साथ हुसैन ने कहा कि केवल उनके गुट को ही विश्व हॉकी महासंघ (एफआईएच) से मान्यता मिली है। उन्होंने कहा ,'' दो टूर्नामेंटों के आयोजकों ने हमसे माफी मांगी है कि उन्होंने गलती से लाहौर स्टेडियम में न्योता भेज दिया था क्योंकि हम ही मान्यता प्राप्त ईकाई हैं और इन टूर्नामेंटों में टीम भेज सकते हैं।''

आईपीएलः पंजाब ने गुजरात को रोमांचक मुकाबले में हराया

-शशांक के नाबाद 61 रन और आशुतोष की ने 31 रनों पारी खेली

अहमदाबाद।

गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईपीएल 2024 मैच में शशांक सिंह के नाबाद 61 रन और आशुतोष शर्मा की 31 रनों पारी की मदद से पंजाब किंग्स ने मेजबान गुजरात टाइटंस को रोमांचक मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया। आईपीएल में गुरुवार को गुजरात के अहमदाबाद में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच मैच खेला गया जिसमें गुजरात टाइटंस में पंजाब किंग्स को 200 रन का लक्ष्य दिया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज ने आक्रामक शॉट लगाते हुए अजमतुल्लाह उमरजई के पहले ही ओवर में 13 रन बटोरे। वहीं उमेश यादव ने फॉर्म में चल रहे शिखर धवन का विकेट लिया तो स्टेडियम में मौजूद की भीड़ खुशी से झूम उठी। कप्तान धवन सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। प्रभसिमरन ने यादव की तेज गेंद पर स्वीपर कवर के जरिए चौका लगाया। यादव ने पारी का चौथा और अपना दूसरा ओवर फेंकते हुए 12 रन बटोरे। प्रभसिमरन ने इस ओवर में एक चौका और एक छक्का जमाया। राशिद खान को पारी के पांचवें ओवर में लाया गया और उन्होंने एक चौके सहित नौ रन बनाए। पेसर्स के खिलाफ बेयरस्टो आक्रामक दिखे, इसलिए कप्तान गिल दोनों छोर से स्पिनर लेकर आए। बाएं हाथ के चाइनामैन नूर अहमद ने बड़ा विकेट हासिल किया। उन्होंने बेयरस्टो के मिडिल लेग स्टंप को 22 रन पर आउट कर दिया। नूर ने गेंद को ऊपर उछाला और उसे लेग के बाहर की लंबाई पर गिरा दिया। बेयरस्टो गेंद की लाइन से पूरी तरह चूक गए और बल्ले और पैड के बीच एक गैप छोड़ दिया और गेंद उसमें से निकल गई और पिछले पैड से टकरा गई। बेयरस्टो ने 13 गेंदों में 22 रन बनाए। प्रभसिमरन बीच में सैम कुरेन के साथ खेलते हुए ढीली गेंदों पर बाउंड्री लगात रहे। नूर ने अपने अगले ही ओवर में गुजरात का एक और विकेट लेकर एक बार फिर पंजाब किंग्स के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं। क्रीज पर मजबूत प्रभसिमरन खराब शॉट खेला और नूर के शिकार हो गए। क्रीज पर दो नए बल्लेबाज सिकंदर रजा और कुरेन नूर पर दबाव बनाना आसान नहीं था। नूर ने दो ओवर में दो विकेट लेकर मेहमान टीम पर दबाव बना दिया। रन रेट बढ़कर 11 रन प्रति ओवर हो गया है। अब सारा दारोमदार कुरेन पर था, जिन्होंने आईपीएल 2024 के पहले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 63 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। आरआरआर के दबाव में उमरजई ने कुरेन का बड़ा विकेट लिया। उन्होंने अपना दूसरा ओवर फेंकते हुए कुरेन को आउट कर दिया। उमेश यादव को आक्रमण करने के लिए वापस लाया गया और शशांक ने उनके ओवर में 17 रन ठोक दिए। पहली तीन गेंदों में से तीन सिंगल के बाद, अगली तीन गेंदों पर बल्लेबाज को 4, 6, 4 मिले।

पंजाब के शशांक के नाम का बजा डंका

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 29 गेंदों पर 61 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। शशांक पहली बार 2017 में आईपीएल का हिस्सा बने थे। तब दिल्ली ने उन्हें खरीदा था। 2019 से 2021 तक राजस्थान रॉयल्स टीम में रहे लेकिन इन दौरान एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। आईपीएल 2022 में शशांक को सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा था। 30 साल की उम्र में उन्होंने आईपीएल डेब्यू किया। वह पहली बार चर्चा में तब आए जब गुजरात टाइटंस के खिलाफ ही लॉकी फर्ग्यूसन को लगातार तीन गेंद पर तीन छक्के मारे। ये तीनों छक्के पारी की आखिरी गेंद पर आए थे। इसके बाद आईपीएल के 2023 सीजन से पहले हैदराबाद ने उन्हें रिलीज कर दिया और फिर नीलामी में अनसोल्ड रहे। यह किसी भी खिलाड़ी को तोड़ने के लिए काफी था। शशांक आईपीएल 2024 की ऑक्शन में सोल्ड तो हुए लेकिन विवाद भी खूब किया। शशांक सिंह नाम के दो खिलाड़ी ऑक्शन में थे। पंजाब किंग्स ने शशांक पर बोली लगा दी। सोल्ड होने के बाद उन्हें लगा कि शशांक को गलत खरीद लिया है। उन्होंने लाइव ऑक्शन में बोला डील कैंसिल करने को कहा लेकिन ऑक्शनर ने मना कर दिया। ऐसे में पंजाब के पास शशांक को रखने के अलावा कोई चारा नहीं बचा। बाद में उन्होंने सफाई देने की काफी कोशिश की। असली और नकली शशांक सिंह के चर्चा के बीच आईपीएल ऑक्शन के बाद डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट खेला गया। इस टूर्नामेंट में शिखर धवन ने शशांक की कप्तानी में खेले। डीवाई पाटिल ग्रुप बी टीम के कोच सुब्रमण्यम दोरईस्वामी ने क्रिकबज से कहा कि शिखर ने शशांक को करीब से देखा है और उनकी बल्लेबाजी देखी है। इसलिए उन्होंने पंजाब किंग्स के सीजन के पहले गेम से ही उन्हें मौका दिया। आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में भी उन्होंने मैच के आखिर में आकर 8 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 21 रनों की पारी खेली थी। इससे शशांक आईपीएल के हीरो कहलाने लगे।

केकेआर के प्रशंसकों को उसके आईपीएल 2024 सत्र में खिताब जीतने की उम्मीदें

मुम्बई । आईपीएल के इस 2024 सत्र में जिस प्रकार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने जीत की हैट्रिक लगायी है। उससे प्रशंसकों को टीम के इस सत्र में खिताब जीतने की उम्मीद हो गयी है। केकेआर अब तक अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यही कारण है कि केकेआर के फैंस मान रहे हैं कि उनकी पसंदीदा टीम साल 2014 की तरह इस बार भी विजेता बनेगी। केकेआर ने आईपीएल का खिताब 2 बार जीता है। केकेआर की टीम पहली बार 2012 में चैंपियन बनी थी। इसके बाद उसने 2014 में भी खिताब अपने नाम किया। केकेआर का 2014 का चैंपियन वाला प्रदर्शन 2024 में भी दिख रहा है। . और भी कई समानताएं हैं, जो उसके प्रशंसकों की उम्मीद का कारण हैं। को उम्मीद बंधा रही है. केकेआर को उसके सलामी बल्लेबाजों सुनील नरेन और फिल साल्ट ने अच्छी शुरुआत दिलायी है। नरेन के ओपनिंग करने से केकेआर की ताकत बढ़ जाती है, जिससे वे बड़ा स्कोर बना रही है। वहीं साल 2014 में कप्तान गौतम गंभीर और रॉबिन उथप्पा टीम को अच्छी शुरुआत दे रहे थे। किसी भी मैच को जीतने के लिए ना सिर्फ अच्छी शुरुआत के साथ ही उसे अंत तक पहुंचाना भी होता है।

मयंक यादव को घरेलू नहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारें: ब्रॉड

- मयंक यादव आईपीएल 2024 में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड बना चुके हैं

मुंबई,। भारत के नए तेज गेंदबाजी मयंक यादव को घरेलु क्रिकेट नहीं उन्हें सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारा जा सकता है ताकि करियर में चोटों का सामना करने के लिए उनका शरीर सख्त हो सके। यह कहना है इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का। पिछले साल क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा ले चुके इंग्लैंड के गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि कम उम्र में ही शुरुआत करके मयंक यादव शीर्ष स्तर पर बहुत कुछ सीख सकते हैं लेकिन उन्हें उतार चढाव के लिए तैयार रहना होगा। ब्रॉड ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि उन्हें नहीं लगता कि मयंक यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलकर उसका शरीर और सख्त हो जाएगा। ब्रॉड ने कहा कि उसका रनअप अच्छा है और उसे लाइन और लैंग्थ की भी अच्छी समझ है। किसी युवा गेंदबाज के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना अच्छा सबक होता है। ब्रॉड ने कहा कि उन्होंने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कम उम्र में शुरुआत करके ही बहुत कुछ सीखा। मयंक आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ सीख रहा है। इंग्लैंड के लिए 604 टेस्ट विकेट ले चुके ब्रॉड ने कहा कि मयंक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाने से उसे फायदा ही होगा क्योंकि भारत को एक अच्छा गेंदबाज मिल गया है। उन्होंने कहा कि वह मयंक को भारतीय टीम में देखना चाहेंगे। जरूरी नहीं कि वह खेले लेकिन ड्रेसिंग रूम में बहुत कुछ सीख सकता है। उसे सही ढंग से मैनेज करने की जरूरत है. मयंक को यह याद रखना होगा कि खेल में चोट भी लगेगी। ब्रॉड ने कहा पहले दो आईपीएल मैचों में किसी तेज गेंदबाज को मैन ऑफ द मैच गया ऐसा हमेशा नहीं होता। ब्रॉड ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि वह तीनों प्रारूप खेलेगा। मयंक को अपेक्षाओं के दबाव की भी आदत डालनी होगी। उसे हर मैच में तो मैन ऑफ द मैच पुरस्कार नहीं

मिलेगा। बता दें मयंक यादव आईपीएल 2024 में सबसे तेज गेंद डालने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। उन्होंने 2 मैचों में 6 विकेट लिए हैं। मयंक पर्पल कैप की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। इस लीग में मयंक ने बेस्ट गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर 3 विकेट हासिल किए हैं।

ईशान आईपीएल में असफल हुए तो टी20 विश्वकप से होंगे बाहर

नई दिल्ली । टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज ईशान किशन के पास इस आईपीएल सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने का अंतिम अवसर है। अब देखना है कि वह इसका कितना लाभ उठा पाते हैं। अभी तक उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पहले तीन मैचों में उनके नाम केवल 50 रन ही है और अगर वह इसी प्रकार खेलते रहे तो वापसी उनके लिए संभव नहीं होगी। आईपीएल के बाद भारतीय टीम सीधे ही टी20 विश्व कप में जाएगी। ईशान दक्षिण अफ्रीका में खेली गई सीरीज के बाद ही भारतीय टीम से बाहर हो गये थे। इसके कारण उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला। उन्होंने जिस प्रकार अफ्रीका दौरे से नाम वापस ले लिया था उससे चयनकर्ता नाराज हो गये थे। वह इसके बाद विदेश में छुट्टी मनाते भी दिखे। इसके बाद बीसीसीआई के रणजी खेलने के आदेश को भी उन्होंने नहीं माना। इसकी जगह वह आईपीएल के लिए अभ्यास करते दिखे। ईशान ने पिछले कुछ सालों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह लगातार टीम के साथ बने रहे और टी20 टीम का अहम हिस्सा थे। एकदिवसीय में उन्होंने दोहरा शतक लगाया पर इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाये। इसके बाद आईपीए में वह मुंबई इंडियंस के लिए पारी की शुरुआत करते हुए अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं। आईपीएल में अगर वह अधिक से अधिक रन बनाते हैं तो उनकी भारतीय टीम में वापसी की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गेहूं में खरपतवार प्रंबधन की आधुनिक विधियां

गेहूं में खरपतवारों की रोकथाम को आधुनिक युग में खरपतवार नियंत्रण के बजाय खरपतवार प्रंबधन के नाम से ज्यादा जाना जाता है विधियां वही है केवल धारणा बदली है।

गेहूं में खरपतवार प्रंबधन की आधुनिक विधियां

- खरपतवार प्रबंधन के निरोधी उपाय
- शस्य विधियों द्वारा खरतवार प्रंबधन
- रासायनिक खरपतवार नियंत्रण

निरोधी उपाय :

- उत्तम क्वालिटी के खरपतवार मुक्त बीजो का प्रयोग करें ताकि गेहूं की बुआई के साथ खरपतवारों की बुआई न हों।
- अच्छी तरह गली सड़ी गोबर की खाद का ही प्रयोग करें कच्ची गोबर की खाद में खरपतवार के बीज जीवित रहते है।
- क्योंकि पशु चारे के साथ जो खरतवारों के बीज होते है वह बिना गले बाहर आ जाते है। यह बीज कच्ची खाद के साथ खेतों में प्रवेश कर जाते है। इस लिए अच्छी गली सड़ी खाद को ही खेतों में डालें।
- सिंचाई की नालियों, गेहूं के खेतों की मेडों को साफ रखें ताकि खरपतवारों के बीज व वनस्पति भाग सिंचाई के पानी के साथ मुख्य खेत में प्रवेश न कर सकें।
- खरपतवार के पौधों को बीज बनने से पहले ही खेतों से बाहर निकाल दें। यदि खरपतवरों के बीज खेत में ही झड़ गए तो मिट्टी में खरपतवरों का बैंक बढ़ेगा।
- गेहूं के खेतों में मडूंसी गेहूं में लगभग 20 दिन पहले पक जाती है। इसके बीज गेहूं में मिश्रित न हो इसके लिए इसे बीज पकने से पहले खेतों से निकाल दें।
- गेहूं की कम्बाईन से कटाई या थ्रेशर से झड़ाई करने से पहले मशीन को पूरी तरह साफ कर लें इससे खरपतवरों के बीज वितरण को रोका जा सकता है
- भण्डारित गेहूं में खरपतवरों के बीज अगर मिश्रित होतें हैं तो दोनों की नमी में फर्क होने की वजह से फफूंद /मोल्डस का खतरा बढ़ जाता है ।

शस्य विधियों द्वारा खरपतवार प्रंबधन

गेहूं की ऐसी किस्म का चुनाव करे जिसकी बढ़त उद्यमी हो जो शीघ्रता से जमीन को ढक ले और प्रारम्भिक अवस्था में उगने वालों खरपतवरों को अच्छी प्रतिस्पर्धा दे ।

गेहूं के पौधों का समान जमाव व उद्यमी बढ़वार की वजह से खरपतवरों की बढ़वार को कम स्थान मिलता है । इसके लिए निम्नलिखित बातो का विशेष ध्यान रखें ।

- उत्तम क्वालिटी के बीज
- बीज उपचार
- उचित खेत की तैयारी
- उचित नमी
- उचित बीज मात्रा
- उचित गहराई पर बीज की बिजाई
- उचित विधि द्वारा बुआई

गेहूं की फसल के साथ उगले वाले खरपतवार अधिकतर मौसमी है ।जिस काजमाव निश्चित तापमान पर ही होता है जैसे मडूंसी का जमाव आमतौर पर नवम्बर के आखिरी सप्ताह से शुरू होता है। कुछ खरपतवार गेहूं के बीजों के साथ साथ ही अंकुरित हो जाते है कुछ खरपतवार पहली सिंचाई के बाद ही अंकुरित होते है। इसलिए गेहूं की बुआई को नवम्बर 15 तक पूरी कर लें क्यूंकि इस समय का तापमान मडूंसी के जमाव के अनुकुल नहीं होता। जिसे मडूंसी का प्रकोप कम रहता है । फसल चक्र अपनाएं विभिन्न प्राकर की फसलों को फसल चक्र मे शामिल करने से खरपतवरों का जीवन चक्र टूटता है। फसलों के बदलने से उनकी शस्य क्रियायें बदलती है उनमें प्रयोग होने वाले खरपतवारनाशी बदलते है। उदाहरणतः धान गेहूं फसल चक्र मे बरसीम, मटर, सब्जियां, तारिया, सुरजमुखी जैसी फसलों को गेहूं के बदले में उगाकर मडूंसी के प्रकाप व खरपतवारनाशी की प्रतिरोधी क्षमता के विकसित होने से बचा जा सकता है। बुनियादी खाद को बीज से 2-3 सै0मी0 गहरा डालें। जीरों टीलेज़ से गेहूं की बिजाई करने से गेहूं का जमाव जल्दी होता है और मिट्टी की उपरी सतह को न छोड़ने की वजह से मडूंसी का जमाव कम होता है।

स्टेलबेड विधि से खाली खेत की सिंचाई करके खरपतवारों को जमने का मौका दिया जाता है। इन उगते हुए खरपतवारों को जुताई करके या नान सलेक्टीव खरपतवारनाशी जैसे गलायफोसेट का 1 प्रतिशत घोल स्प्रे कर के खत्म किया जा सकता है फिर इस खरपतवार मुक्त खेत में गेहूं की बिजाई की जा सकती हे ।

रासायनिक तत्वों के पोषण व पानी का विभाजन खरपतवार व फसल में होता है इसलिए खाद का प्रयोग खरपतवार नियंत्रण के बाद करें ताकि इनका लाभ गेहूं को मिले न की खरपतवरों को।

रासायनिक खरपतवार नियंत्रण

खरपतवारनाषी आधुनिक कृषि विज्ञान की परम आवश्यकता है। खरपतवारनाशी द्वारा खरपतवार प्रबंधन करना मज़दूरों द्वारा यंत्रो द्वारा शारीरिक शक्ति से अधिक मितव्ययी है ।

गेहूं में खरपतवारनाशी का प्रयोग दो तरह से किया जा सकता है
फसल – खरपतवार जमने से पहले (प्री एमरजेन्स)
खरपतवार जब 2-4 पत्ती अवस्था में हो (पोस्ट एमरजेन्स)

प्री एमरजेन्स खरपतवार नाशी

गेहूं बिजाई के तुरन्त बाद पैण्डीमैथलीन 3.3 लीटर प्रति है0 की दर से 500 लीटर पानी में घोल कर स्प्रे करने से उगती हुई खरपतवारों का नाश किया जा सकता है। पैन्डीमेथलीन से शुरूआती पहले फसल की मडूंसी व बाथू का नियंत्रण किया जा सकता है ।

पोस्ट एमरजेन्स खरपतवार नाशी

गेहूं मे पोस्ट एमरजेन्स खरपतवारनाशी का प्रयोग पहली सिंचाई (बुआई के 21 दिन) के 7-10 दिन बाद जब खेतों में पैर टिकने लगे और खरपतवार 2-4 पत्ती अवस्था में हो तभी किया जाता हे ।

क्लोडीनापोप तो पत्तियों द्वारा ही सोखा जाता है इसलिए स्प्रे के समय गेहू की फसल में खरपतवार 2-4 पत्ती अवस्था में होने से ही स्प्रे का लाभ मिलता है । प्रायः यह भी देखा गया है कि गेहूं की इस अवस्था में तापमान बहुत कम होता है कम तापमान में खरपतवार पत्ते खरपतवारनाशी को अपने अन्दर अवशोषित करने की क्षमता नहीं रखते जिस कारण खरपतवारनाशी का लाथ नहीं मिलता ।

गेहूं में खरपतवार नाशियों का प्रयोग

खरपतवार नाशी का वैज्ञानिक नाम	खरपतवार नाशी का व्यापारिक नाम	उत्पाद/है0	प्रयोग का समय दिन बाद	खरपतवार प्रकार के लिए सिफारिश
मेटस्लफयूरोन मिथाइल	एलग्रिप	20 ग्राम	बुआई के 35-40	चौड़ी पत्ती
पैन्डीमेथिलीन	स्टाम्प	3 लीटर	बुआई के तुरन्त बाद	चौड़ी पत्ती व घास जाति
सल्फोसल्फयूरोन	लीडर फतेह	33 ग्राम	बुआई के 35-40	चौड़ी पत्ती व घास जाति
कारफेट्राजोन	ऐम	50 ग्राम	बुआई के 35-40	चौड़ी पत्ती
क्लोडीनोपोप	टोपिक	400 ग्राम	बुआई के 35-40	घास कुल
फिनोक्सोप्रोम	प्यूमासुपर	1000 ग्राम	बुआई के 35-40	घास कुल
सल्फोस्लफयूरोन	लीडर	1250 ग्राम	बुआई के 35-40	घास व चौडी पत्ती
पीनोक्साडीम	एक्सिल	1000 ग्राम	बुआई के 35-40	घास कुल

गेहूं में खरपतवार प्रबंधन एक नज़र से

	खरपतवारनाशी	मात्रा	टिप्पणी
मडूंसी	क्लोडीनोपोप (टोपिक) पैन्डीमेथिलीन (स्टाम्प)	400 ग्राम 3330 ग्राम	35-40 दिन पश्चात बुआई के एक दिन बाद
बाथू	पैन्डीमेथिलीन (स्टाम्प) मेटस्लफयूरोन मिथाइल	3330 ग्राम 20 ग्राम	बुआई के एक दिन बाद जंगली जई
जंगली जई	कारफेट्राजोन (ऐम)	50 ग्रा	बुआई के 30-35 दिन पश्चात
जंगली पालक	मेटस्लफयूरोन मिथाइल	20 ग्राम	30-35 दिन पश्चात
गोबी घास (मालवा पखीफलोरा)	कारफेट्राजोन (ऐम)	50 ग्राम	30-35 दिन पश्चात
कंडेली	मेटस्लफयूरोन इथाइल ;एलग्रिम) कारफेट्राजोन (ऐम)	20 ग्राम 50 ग्राम	30-35 दिन पश्चात
हिरणखुरी	मेटस्लफयूरोन इथाइल (एलग्रिप) कारफेट्राजोन (ऐम)	20 ग्राम 50 ग्राम	30-35 दिन पश्चात
मटरी (जंगली मटर)	मेटस्लफयूरोन इथाइल (एलग्रिम) कारफेट्राजोन (ऐम)	20 ग्राम 50 ग्राम	30-35 दिन पश्चात
दूधी	कारफेट्राजोन (ऐम)	50 ग्राम	30-35 दिन पश्चात
पीट पापड़ा (कोरनोपस डीडेमस)	मेटस्लफयूरोन इथाइल एलग्रिम) कारफेट्राजोन (ऐम)	20 ग्राम 50 ग्राम	30-35 दिन पश्चात 500 लीटर पानी प्रति है0

पचास लीटर पानी प्रति हेक्टेयर

रसायनिक खरपतवार प्रबंधन के लिए कुछ ध्यान योग्य बातें-

- खरपतवार के प्रकार व संख्या को ध्यान में रख कर खरपतवारनाशी का चुनाव करें
- स्थिति का मूल्यांकन करें
- खरपतवार व फसल की अवस्था का ध्यान करें ।
- रसायनिक खरपतवारनाशी (उगने से पहले या उगने के बाद का प्रयोग करे जब मिट्टी में नमी हो ।
- खरपतवार उगने के बाद के (पोस्ट एमरजेन्स) के खरपतवारनाशी का प्रयोग तभी करे जब खरपतवार 2 से 4 पत्ती अवस्था में हो
- खरपतवारनाशी का प्रयोग करते समय फलेट फैन नोजल का प्रयोग करें ।
- खरपतवार उगने के बाद खरपतवारनाशी (पोस्ट एमरजेन्स) को रेत, यूरिया या मिट्टी के साथ न मिलाएं ।
- सल्फोस्फयूरोन को मिश्रित फसल जैसे गेहूं, सरसों या गेहूं अन्य फसलों में प्रयोग न करें।
- खरपतवारनाशी चक्र का अनुसरण करें ताकि खरपतवारों की प्रतिरोधी क्षमता विकसित न हो सके ।
- मडूंसी की रोकथाम के लिए स्प्रे किए गए खरपतवारनाशी से घास कुल जाति के खरपतवारों का नियंत्रण हो जाता है परन्तु चौड़ी पत्ती के खरपतवारों जैसे जंगली पालक, मालवा या दूधी जैसे खरपतवारों में बढ़ोतरी हो रही है। मिश्रित खरपतवारों के नियंत्रण के लिए पीनोक्साडीम+ कारफेट्राजोन 1000+50 ग्राम /है0 की दर से बुआई के 35-40 दिन पश्चात स्प्रे करें।

कचरे से तैयार करें उत्तम खाद

भारतीय कृषि क्षेत्र में पिछले चार दशकों से फसल उत्पादन में जो वृध्दि आई है, इसका मुख्य कारण उन्नत तकनीकों को अपनाया जाना और अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग है। अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इन कृत्रिम पदार्थों का भारी मात्रा में प्रयोग किया जा रहा है। मिट्टी की स्थिति की अनदेखी की जा रही है। इसके कई दुष्परिणाम हमारे समक्ष धीरे-धीरे प्रकट हो रहे हैं। मिट्टी के प्राकृतिक गुण धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक गुण के अभाव में उत्पादन लागत में वृध्दि हो रही है। मिट्टी में जीवांष या कार्बनिक पदार्थों की कमी के कारण गर्मियों में भूमि के ऊपरी भाग का तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से ऊपर हो जाता है। मिट्टी की नमी ज्यादा देर तक नहीं रहती है। इससे खेतों में दरारें पड़ने लगती हैं। निम्न जल धारण क्षमता के कारण सिंचाई जल की आवश्यकता बहुत अधिक बढ़ जाती है और संसाधनों का दुरूपयोग होता है। कृषकों को यह बात जानना अति आवष्यक है कि मिट्टी एक भौतिक माध्यम ही नहीं, अपितु जीवित माध्यम भी है, जिसमें असंख्य लाभकारी सूक्ष्म जीव निवास करते हैं, जो विभिन्न तरीकों से पौधों का पोषण करते हैं। अत- मिट्टी में इनकी संख्या सुनिष्चित करना अति आवश्यक है, जो जीवांश या कार्बनिक पदार्थों द्वारा ही संभव है। इसके लिए प्रत्येक कृषक को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जिससे उनके फार्म पर या घर में उपलब्ध कूड़ा-कचरा, जानवरों के मल-मूत्र, पौधों के अवषेश आदि का उपयोग एक उत्कृष्ट प्रकार के कंपोस्ट बनाने में कर सकते हैं। अधिकांश किसानों के बाड़ी या प्रक्षेत्र में स्वनिर्मित खाद के गड्ढे होते हैं। कृषक इस गड्ढे का उपयोग खाद बनाने में करते हैं। यहां घर के अपशिष्ट और फार्म के कचरे का इस्तेमाल खाद बनाने में करते हैं। ठीक प्रकार से न सड़ने के कारण उसमें खरपतवार के बीज और निमेटोड पाए जाते हैं, जो फसलों के लिए नुकसानदेह हैं। खाद बनाते समय इसे खुला छोड़ दिया जाता है और अत्यधिक गर्मी और बारिश से बचाव की सुविधा नहीं होती है। इन कचरों का उपयोग व्यवस्थित और वैज्ञानिक रीति से न होने के कारण खाद की गुणवत्ता निम्न स्तर की होती है, जिसमें जीवांश और पोषक तत्वों की मात्रा कम होती है। किसान बहुत कम खर्चे में स्वयं जैविक खादों का निर्माण कर सकते हैं। इनके पास उपलब्ध खाद गड्ढा अच्छी गुणवत्ता वाली खाद प्राप्त करने का अच्छा माध्यम हो सकता है, जिसे कंपोस्टिंग (सड़न) की अत्यंत सरल प्रक्रिया द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

खाद बनाने हेतु प्रयुक्त सामग्री- पौधों की पत्तियों, टहनियों, डंठल, भूसा, पैरा कुट्टी, घर से प्राप्त सब्जियों के टुकड़े आदि को छोटे-छोटे काटकर बांट देना चाहिए। घर और खेत पर उपलब्ध जानवरों के गोबर को उनके मूत्र के साथ एकत्रित करना चाहिए। जानवरों के बिछावन को इकट्ठा करने के लिए पशुशाला में भूसा, लकड़ी बुरादा या रेत का बिछावन बिछाना चाहिए और इसे 10-15 दिनों में हटाते रहना चाहिए। जानवरों के मूत्र को एक सामान्य कांक्रीट टैंक में इकट्ठा करते रहना चाहिए।

गोबर और कचरा संग्रह करने का तरीका - खाद के गड्ढे को भरने से पूर्व उसे घर या प्रक्षेत्र पर पहले अलग-अलग एकत्रित करना चाहिए। इसके लिए दो छोटे और गहरे गड्ढे बनाए जाते हैं। इन गड्ढों में मल-मूत्र और इनका बिछावन और वनस्पतिक कचरे को अलग-अलग गड्ढों में इकट्ठा किया जाता है। पौध अवषेष, पत्ती, टहनी, डंठल, घर से प्राप्त सब्जी के टुकड़े को बारीक कर गड्ढे में नियमित रूप से गोबर के घोल से तर करके मिलाते रहना चाहिए। इन पदार्थों से पत्थर के टुकड़े, प्लास्टिक इत्यादि को अलग कर देना चाहिए।

खाद गड्ढे का आकार 6 मीटर लंबा, डेढ़ मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा होना चाहिए। हालांकि पशुधन की संख्या और आवष्यकतानुसार आकार को छोटा-बड़ा कर सकते हैं। गड्ढे का आकार यदि बड़ा हो तो उसे 2 या 3 बराबर भागों में बांट लेना चाहिए। खाद भरते समय जब पहला भाग भूतल से 45 सेमी. ऊंचा हो जाए तो उसे ढेर के रूप में बनाकर गोबर के घोल व मिट्टी से ढक देना चाहिए। फिर गड्ढे के शेष भाग में इसी तरह खाद भरना चाहिए। इससे वर्ष भर खेतों को उच्च गुणवत्ता वाली कंपोस्ट खाद की पूर्ति होती है। गड्ढों का चुनाव छायादार स्थान पर करना चाहिए और खाद बनाते समय नमी की पर्याप्त मात्रा होना आवश्यक है। गड्ढे के विभिन्न भागों के उपयोग के लिए समय नियोजित करना आवश्यक है, ताकि हर फसल के लिए खाद उपलब्ध हो सके।

खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि - जानवरों के मल-मूत्र, बिछावन और वनस्पति कचरों का संग्रह तब तक इन छोटे-छोटे गड्ढों में करना चाहिए जब तक कि दिए गए गड्ढों के आकार के अनुसार पूर्ति न हो जाए। गड्ढे भरने के पूर्व इन पदार्थों में प्रति क्विंटल कचरे की दर से एक किलोग्राम रॉक फास्फेट का प्रयोग करना चाहिए, जो कि सस्ता और आसानी से उपलब्ध हो जाता है।

संग्रहित कचरों का उपयोग गड्ढा के पहले भाग में भराई हेतु विभिन्न परतों में डालना चाहिए। सर्वप्रथम गड्ढों की साफ-सफाई कर उसकी सतह को मिट्टी या बालू से दबाकर ठोस बनाएं, फिर उसे गोबर के घोल से तर करें। इसके बाद पहली परत के रूप में वनस्पतिक कचरे का तीन से चार इंच परत में एक समान बिछाएं, जिसे गोबर के घोल से तर करें। इसी क्रम में गड्ढा भराई को पूर्ण करें। भराई का कार्य भूतल सतह से 45 सेमी. ऊंचा करें। फिर उसे ढेरी बनाकर मिट्टी और गोबर के घोल से लिप दें। बिल्कुल यही प्रक्रिया गड्ढे के शेष भाग में दोहरानी चाहिए, जिसके बनाने का क्रम निष्चित करें। अपघटन प्रक्रिया के लिए सत्तर फीसदी नमी होनी चाहिए, जिसकी पूर्ति के लिए नियमित जल दें। 20 से 25 दिनों बाद जब गलन प्रक्रिया से उत्पन्न गर्मी कम हो जाए, तब खाद के विभिन्न परतों में सूक्ष्म जीव ट्राइकोडर्मा विरडी का छिड़काव करें। यह बाजार में आसानी से उपलब्ध है। इससे खाद की गलन क्रिया और गुणवत्ता में वृध्दि होती है।

6 से 8 दिनों बाद खाद पलटने का कार्य करें। इसमें प्रत्येक परत का पलटा जाना आवश्यक है। खाद पलटने की प्रक्रिया तीन बार हर पंद्रह दिनों में करें। यह क्रिया ढाई माह तक करते रहें। अंतिम बार पलटने के समय जैव उर्वरक जैसे राइजोबियम (दलहन फसलों के लिए), पीएसबी, एजोटोबैक्टर एजोस्पाइरिलम आदि खाद में मिश्रित करें। इससे खाद में लाभकारी जीवाणु की संख्या बढ़ती है और खाद की गुणवत्ता अधिक बढ़ जाती है। इसके एक माह बाद खाद का प्रयोग खेतों में करें। इसे खेतों में समान रूप से फैलाना चाहिए। कंपोस्टिंग या सड़न की आसान प्रक्रिया को जानकर किसान स्वयं अपने परंपरागत गड्ढे से कम समय में उत्तम गुणों वाली खाद बना सकता है, जिसमें जीवांष और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं।

चोरी के डेबिट कार्ड लॉटरी टिकट खरीदकर पछता रहे चोर

– 42 करोड़ की लॉटरी खुली लेकिन मिली फूटी कौड़ी नहीं

लंदन ।आपके किस्मत का कोई चुरा नहीं सकता, यह कहावत एक बार पुन: सच साबित हो गई।दरअसल यह पूरा मामला कुछ ऐसा है कि चोरों ने एक शख्स का डेबिट कार्ड चुरा लिया। उसी से लॉटरी का टिकट खरीदा। उन्?हें लगा कि अगर जीत जाएंगे तो पैसे उनके खाते में आ जाएंगे। लेकिन किस्?मत ऐसी कि फूटी कौड़ी तक उन्हें नहीं मिली और जिस शख?स का डेबिट कार्ड था, वह मालामाल हो गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बोल्टन के रहने वाले जॉन-रॉस वॉटसन और मार्क गुडराम ने लॉटरी टिकट खरीदने के लिए किसी और के बैंक कार्ड का इस्तेमाल किया। लेकिन जब नतीजा आया, तो खुशी से नाचने लगे। दोनों ने 4 मिलियन पाउंड यानी 42 करोड़ का जैकपॉट जीता था। एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ था, जिसमें वॉटसन को नाचते और कूदते हुए दिखाया गया है। मार्क गुडराम खुशी में काउंटर पर अपनी मुट्ठियां मारता हुआ नजर आता है। लेकिन उनकी यह खुशी पलभर ही काफूर हो गई। जब मार्क गुडराम ने लॉटरी के पैसे लेने के लिए दावा ठोका, तो जांच में मामला कुछ और ही निकला।पता चला कि उसके पास तो कोई बैंक खाता ही नहीं।जब बैंक खाता ही नहीं, तो उसने जिस बैंक कार्ड से टिकट खरीदा, आखिर वो किसका था? इसके बाद ही लॉटरी अधिकारियों को उस पर शक हुआ और जांच शुरू की गई। जांच में गुडराम ने बताया कि टिकट खरीदने के लिए उसने जिस कार्ड का इस्तेमाल किया था, वह जॉन नाम के एक दोस्त का था। जॉन के पास उसका पैसा बकाया था, इसलिए उसने कार्ड ले लिया था।इसीलिए जब वह टिकट खरीद रहा था, तो जॉन का नाम नहीं बताया। मगर जांच में और भी सनसनीखेज खुलासा हुआ। पता चला कि जिस कार्ड से दोनों ने लॉटरी टिकट खरीदे थे, वो तो जॉन का था ही नहीं।वह चोरी किया गया डेबिट कार्ड था, जो वास्तव में जोशुआ नाम के शख?स का था। चोरों ने उसी का इस्तेमाल कर कार्ड खरीदा। उन्हें यकीन नहीं था कि वे फंस जाएंगे। बाद में दोनों को 18-18 महीने की जेल हो गई। वॉटसन ने कहा, यह बहुत बुरा है।उन्हें हमें भुगतान करना चाहिए।आखिर वह हमारा पैसा है।इस कंपनी ने हमारी जिंदगी बर्बाद कर दी। लोग हमें बदमाश कह रहे हैं और हम पर हंस रहे हैं। बाद में दोनों ने बहुत हंगामा काटा, लेकिन वे जानते थे कि गलत थे, इसलिए ज्यादा विरोध नहीं किया।

अबूधाबी के मंदिर में साढे तीन लाख लोगों ने किया दर्शन

–फरवरी में किया था मंदिर का उद्घाटन

अबू धाबी। अबू धाबी में बने पहले पत्थर निर्मित हिंदू मंदिर में एक महीने के भीतर साढ़े तीन लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी में इस मंदिर का उद्घाटन किया गया था।इस प्रतिष्ठित मंदिर को एक मार्च को आगंतुकों के लिए खोला गया था। मंदिर अधिकारियों की तरफ से यह जानकारी दी गई है। मंदिर के प्रवक्ता ने एजेंसी को बताया कि पहले महीने में लगभग 350000 भक्त और आगंतुक थे, जिनमें से 50000 प्रत्येक सप्ताहांत (शनिवार-रविवार) आते थे। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोमवार को मंदिर निजी प्रार्थनाएं आयोजित करता है और आगंतुकों के लिए बंद रहता है, जिसका अर्थ है कि परिसर मार्च में 31 दिनों में से केवल 27 दिनों के लिए आम लोगों के लिये खुला था। उन्होंने कहा कि मंगलवार से रविवार तक हर शाम, स्वामीनारायण घाट के तट पर शाम साढ़े सात बजे गंगा आरती की जाती है, जो भारत से लाए गए गंगा और यमुना के पवित्र जल का उपयोग करके बनाया गया है। भव्य मंदिर का उद्घाटन 14 फरवरी को एक लोकार्पण समारोह के दौरान किया गया था जिसमें 5,000 से अधिक लोग शामिल हुए थे। मंदिर का निर्माण बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास अबू मुरीखा में 27 एकड़ में किया गया है। राजस्थान से लाई गईं 18 लाख ईंटों और 1.8 लाख घन मीटर बलुआ पत्थर से निर्मित यह अबू धाबी का पहला हिंदू मंदिर है जिसे अयोध्या के राम मंदिर की तरह ही वास्तुकला की नागर शैली में बनाया गया है। बीएपीएस हिंदू मंदिर पूरे खाड़ी क्षेत्र में सबसे बड़ा है। यूएई के दुबई में तीन अन्य हिंदू मंदिर हैं। प्रवक्ता ने कहा कि चूंकि मंदिर थोड़ा बाहरी इलाके में और रेगिस्तान के बीच में है, इसलिए आगंतुकों को मंदिर तक आसानी से आने की सुविधा देने के वास्ते सप्ताहांत के लिए शहर से सार्वजनिक बस सेवा शुरू की गई है। प्रधानमंत्री मोदी की 2015 में खाड़ी देश की दो दिवसीय यात्रा के दौरान, संयुक्त अरब अमीरात ने अबू धाबी में एक मंदिर के निर्माण के लिए भूमि आवंटित की।

इजरायल को लेकर ईरानी धमकियों से अमेरिका चिंतित

वाशिंगटन। दमिश्क में ईरानी राजनयिक सुविधा पर इजरायली हमले के बाद इजरायल और ईरान के बीच संभावित युद्ध शुरु होने को लेकर अमेरिका चिंतित है।व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार ने यह जानकारी एक चैनल को दिए इंटरव्यू में दी। उन्होंने कहा कि वह गुरुवार को इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की ईरानी धमकियों को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि अगर सही में, जिन चीज़ों के बारे में इज़रायली प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति जो बाइडन ने बात की है उनमें से एक ईरान द्वारा इज़राइल के लिए बहुत ही सार्वजनिक, वास्तविक खतरा शामिल है।

भारतीय सहित दो लोगों की हत्या के दोषी को सजा-ए-मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के ओक्लाहोमा में 2002 में एक भारतीय समेत दो लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले को अदालत ने दोषी करार देते हुए सजा-ए-मौत सुनाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार अभियुक्त माइकल ड्वेन स्मिथ (41) को मैकलेस्टर शहर की एक जेल में घातक इंजेक्शन दिया गया जिससे उसकी मौत हो गई। स्मिथ ने 24 वर्षीय शरद पुल्लुरु और 40 वर्षीय जेनेट मूर की हत्या कर दी थी।उसने 22 फरवरी, 2002 को दो अलग अलग घटनाओं में शरद और मूर की हत्या कर दी थी। अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी।

सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच झड़प, 18 हमलावरों की मौत, हमले में 10 सुरक्षाकर्मी शहीद, बंधक बनाए लोगों को छुड़ाया

तेहरान। दक्षिण पूर्वी ईरान में कई इलाकों में झड़प के बाद सुरक्षा बलों ने हमलावरों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ा लिया और 18 बंदूकधारी को मार गिराया और 10 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई है।सरकारी एजेंसी की खबर के मुताबिक, राजधानी तेहरान से लगभग 1400 किलोमीटर दूर सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में रात में लड़ाई शुरू हुई जब बंदूकधारियों ने रस्क और सरबाज शहर में रिवोल्यूशनरी गार्ड की चौकियों और चाहबहार शहर में एक तट रक्षक स्टेशन पर गोलीबारी की।एक सरकारी टीवी ने बताया कि हमलावरों ने अलग-अलग स्थानों से कई लोगों को बंधक बना लिया और कुछ हमलावरों ने आत्मघाती जैकेट पहन रखी थी।सुरक्षा बलों के नियंत्रण हासिल करने से पहले गोलीबारी शुरू हो गई। सरकारी टीवी द्वारा यह कहा गया है कि मारे गए 10 सुरक्षा कर्मियों में रिवोल्यूशनरी गार्ड और उससे जुड़े छह सैनिक, दो पुलिसकर्मी और तट रक्षक के दो सदस्य शामिल हैं।खबर में यह भी कहा गया है कि कम से कम 10 अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हैं जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है।सरकारी मीडिया ने आतंकवादी समूह जैश अल-अदल को दोषी बताया है, जो कथित तौर पर जातीय अल्पसंख्यक समुदाय बलूच के लिए संघर्ष करता है।हालांकि अभी तक किसी भी समूह ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है।

पोलैंड के प्रेज़ेमिस्ल में पोलिश सहायता कर्मी डेमियन सोबोल के लिए प्रार्थना करने के लिए इकट्ठा हुए शोक संतप्त लोग, जो गाजा में इजरायली सेना द्वारा मारा गया था, इसमें चैरिटी वर्ल्ड सेंट्रल किचन (डब्ल्यूसीके) के लिए काम करने वाले सात लोग शामिल थे, यह सभी इजरायली हवाई हमले में मारे गए थे।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए उठाए कदमों पर ही इसराइल का समर्थन करेगा अमेरिका

वाशिंगटन। गाजा में चल रहे युद्ध में इजराइली कार्रवाई को लेकर गाजा में इजराइली हवाई हमले में सात खाद्य सहायताकर्मियों के मारे जाने के कुछ दिन बाद बाइडन और नेतन्याहू ने फोन पर बातचीत की। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि गाजा युद्ध के लिए अमेरिकी समर्थन आम नागरिकों और सहायता कर्मियों की सुरक्षा के लिए उठाए गए नए कदमों पर निर्भर करेगा।बाइडन और नेतन्याहू की फोन पर बातचीत के बाद व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा, राष्ट्रपति ने इजराइल को आम नागरिकों और सहायता कर्मियों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाने की जरुरत को लेकर साफ कर दिया है।उन्होंने साफतौर पर कहा कि गाजा के संबंध में अमेरिकी नीति इस संबंध में इजराइल की तत्काल कार्रवाई के आकलन से ही निर्धारित की जाएगी। पिछले दिनों गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में परमार्थ समूह के लिए काम करने वाले छह अंतरराष्ट्रीय सहायता कर्मियों और उनके फलस्तीनी वाहन चालक की मौत हो गई थी। जिसे लेकर अमेरिकी प्रशासन काफी नाराज था।

गलत किया तो मिलेगा करारा जवाब, जयशंकर ने बीजेपी ही नहीं क्क्ष्य पर पाकिस्तान को बताया पूरे देश का मिजाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के इस रुख की पुष्टि करते हुए कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) भारत का अभिन्न अंग है, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की स्थिति नहीं है, बल्कि पूरे देश की स्थिति है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को लेकर मुख्य चिंता आतंकवाद को लेकर है और अगर कुछ भी अनियंत्रित हुआ तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। पीओजेके के मुद्दे पर, एक राष्ट्रीय स्थिति है न कि पार्टी की स्थिति। जयशंकर ने तिरुवनंतपुरम में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संसद ने एकजुट रुख अपनाया है और देश के हर राजनीतिक दल ने उस रुख का समर्थन किया है। हम यह कभी स्वीकार नहीं करेंगे कि पीओजेके भारत का हिस्सा नहीं है।', यह एक एकजुट रुख है, यह हमारा रुख बना हुआ है।

केंद्रीय मुद्दा जहां पाकिस्तान चिंतित है वह आतंकवाद है, और आतंकवाद के मुद्दे पर, हम एक पार्टी और सरकार के रूप में बहुत स्पष्ट हैं कि हम आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करेंगे और जब आतंकवाद होगा तो हम दूर नहीं देखेंगे। अगर कुछ होता है तो हम उससे निपटेंगे, हम जवाब देंगे और यही हमारा रिकॉर्ड रहा है। चीन के साथ संबंधों के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि संबंध चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन पुष्टि की कि भारत प्रतिस्पर्धी तरीके से प्रतिस्पर्धा करेगा। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ हमारे चुनौतीपूर्ण रिश्ते हैं। लेकिन, यह एक ऐसा देश है जो आश्वस्त है, जो प्रतिस्पर्धी तरीके से अपने हितों को आगे बढ़ाने और उनकी रक्षा करने में सक्षम है और हम प्रतिस्पर्धा करेंगे।

जयशंकर ने अपने पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों के बारे में किसी भी संदेह से इनकार किया, उन्होंने कहा कि भारत के अंदर और पड़ोस में ताकतें हो सकती हैं जो समस्याएं पैदा करना चाहती हैं। अगर हम पड़ोसियों के बारे में बात करते हैं, तो कृपया बांग्लादेश और श्रीलंका जाएं और लोगों से पूछें कि वे क्या सोचते हैं। उनके सबसे गहरे आर्थिक संकट के दौरान, कौन खड़ा रहा? नेपाल जाइए और उनसे पूछिए कि आपको टीके कहां मिलते हैं, यूक्रेन संकट होने पर आपको खाद और ईंधन किसने दिया। इसलिए, मैं इस बात से सहमत नहीं होऊंगा कि हमारा पड़ोस हमारे पक्ष में नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि पड़ोस में ताकतें और बलों के पीछे ताकतें हो सकती हैं जो समस्याएं पैदा करती हैं। भारत में ऐसे लोग हो सकते हैं जो इस समस्या को तूल देना पसंद करते हैं।

कच्चातिवू द्वीप पर पीएम मोदी ने कांग्रेस को घेरा, श्रीलंका के मंत्री का आया बयान

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के मत्स्य पालन मंत्री डगलस देवानंद ने कहा है कि कच्चातिवू द्वीप को श्रीलंका से ''वापस लेने'' संबंधी भारत से आ रहे बयानों का कोई आधार नहीं दिखाता है। श्रीलंका के वरिष्ठ तमिल नेता देवानंद की टिप्पणी मोदी सरकार द्वारा तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी और उसकी सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधने के कुछ दिन बाद आई है।

पीएम मोदी ने दोनों दलों पर 1974 में कच्चातिवू द्वीप श्रीलंका को सौंपने में राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया था। भाजपा कच्चातिवू द्वीप के आसपास के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के इच्छुक मछुआरों के अधिकारों को सुनिश्चित नहीं करने के लिए भी दोनों दलों पर निशाना साधती रही है। देवानंद ने कहा, यह भारत में चुनाव का समय है, कच्चातिवू के बारे में दावों और प्रतिदावे सुनना असामान्य नहीं है। देवानंद ने कहा, मुझे लगता है कि भारत अपने हितों को देखकर इस जगह को हासिल करने पर काम कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि श्रीलंकाई मछुआरों की उस क्षेत्र तक कोई पहुंच न हो और श्रीलंका संसाधन से युक्त क्षेत्र पर कोई अधिकार का दावा नहीं करे।'' देवानंद ने कहा है कि कच्चातिवू को श्रीलंका से ''वापस लेने'' के बयानों का कोई ''आधार नहीं है। श्रीलंकाई मंत्री ने कहा कि 1974 के समझौते के अनुसार दोनों पक्षों के मछुआरे दोनों देशों के क्षेत्रीय जल में मछली पकड़ सकते हैं, लेकिन बाद में इसकी समीक्षा की गई और 1976 में इसमें संशोधन किया गया। तदनुसार, दोनों देशों के मछुआरों को पड़ोसी जलक्षेत्र में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देवानंद को हाल के महीनों में स्थानीय मछुआरों के दबाव का सामना करना पड़ा है। स्थानीय मछुआरों ने भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने पर रोक के लिए व्यापक विरोध प्रदर्शन किया है। उनका कहना है कि भारतीयों द्वारा तलहटी में मछली पकड़ना श्रीलंकाई मछुआरों के हितों के खिलाफ है। इस साल अब तक कम से कम 178 भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया है और उनके 23 ट्रॉलर जब्त किए हैं। देवानंद एक पूर्व-तमिल उग्रवादी हैं, जो अब ईलम पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व करते हैं। देवानंद को चेन्नई की एक अदालत ने 1994 में आदतन अपराधी करार दिया था।

क्या हमास से जंग में जाएगी नेतन्याहू की कुर्सी...मुख्य प्रतिद्वंद्वी ने दिया बयान

यरुशलम ।अधिकांश इजरायली ही नहीं बल्कि बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्य और उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी बेनी गैंट्ज भी चाहते हैं कि वे इजराइल के प्रधानमंत्री पद से हट जाएं।गाजा में युद्ध को लेकर देश और विदेश में दबाव बढ़ने के कारण गैंट्ज ने सितंबर में तत्काल संसदीय चुनाव का आह्वान किया है।गैंट्ज ने नेतन्याहू सरकार में एकता बनाए रखने और विश्वास को कायम करने की आवश्यकता का हवाला दिया है, जिसकी सेना फिलिस्तीन पर हमला कर रही है।हमास आतंकवादियों से लड़ रही है।चुनाव में नेतन्याहू की लिकुड का नेतृत्व करने वाली नेशनल यूनिटी पार्टी के नेता गैंट्ज ने कहा कि इजरायल के लोगों को पता होना चाहिए कि हम जल्द ही उनका विश्वास मांगने वापस आएंगे, कि हम 7 अक्टूबर की आपदा और उससे पहले की घटनाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं।

बुशरा बीबी को जहर दिए जाने का कोई सबूत नहीं है : निजी चिकित्सक

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के निजी चिकित्सक ने जांच के बाद कहा है कि उन्हें (बुशरा बीबी को) कोई जहरीला पदार्थ नहीं दिया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री खान द्वारा उनके निजी आवास में कैद में रखे जाने के दौरान बुशरा बीबी को जहर दिए जाने के आरोप लगाने के बाद उनके चिकित्सक का यह बयान आया है। दो अप्रैल को, खान ने अडियाला जेल में तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश नासिर जावेद राणा से कहा था कि उनकी पत्नी को जहर देने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा था कि 'जहर' के नकारात्मक प्रभाव के रूप में बुशरा की त्वचा और जीभ पर निशान हो गए थे। खान (71) ने किसी का नाम लिए बिना कहा था, 'मैं जानता हूं कि इसके पीछे किसका हाथ है।' उन्होंने कहा था कि अगर 49 साल की बुशरा को कोई नुकसान पहुंचता है, तो पाकिस्तानी सेना प्रमुख (जनरल असीम मुनीर) को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि एक खुफिया एजेंसी के सदस्य इस्लामाबाद में उनके आवास और रावलपिंडी में अडियाला जेल में सब कुछ नियंत्रित कर रहे हैं। डॉ. असीम यूसुफ ने 'जियो न्यूज' से बात करते हुए कहा, इस समय, बुशरा बीबी को जहर दिए जाने का कोई सबूत नहीं है। हम बुशरा बीबी को कोई जहरीला पदार्थ दिए जाने का पता लगाने के लिए कोई चिकित्सीय परीक्षण नहीं कर रहे हैं, क्योंकि ऐसे कोई लक्षण सामने नहीं आए हैं।

साल 2024 के लिए डरा रही बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

–कुछ हो चुकी हैं सच....कुछ के सच होने का डर

लंदन (एजेंसी)। क्या 2024 में तबाही मचने वाली है? ये सवाल इसलिए क्योंकि बुल्गारिया के 'नास्त्रेदमस' कहलाने वाले बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां सच हो रही हैं। 2024 के लिए उन्होंने जो-जो बातें कहीं हैं, बीते चार महीने में वे सब सच साबित हुई हैं। उन्होंने कहा था कि यूरोप में आतंकी हमला होगा। साइबर हमलों में वृद्धि होगी चिकित्सा और तकनीकी जगत में काफी हलचल रहेगी। आइए जानते हैं कि अगले 8 महीनों के लिए उन्होंने क्या-क्या भविष्यवाणी की है।

बाबा वेंगा की मौत 28 साल पहले हो चुकी है। अपनी मौत से पहले ही उन्होंने 2024 के लिए लिए भविष्यवाणियां की थीं। उनका कहा सबकुछ सच साबित हो रहा है। बाबा वेंगा ने यूक्रेन में चेरनोबिल आपदा, राजकुमारी डायना की मृत्यु , न्यूयॉर्क में 9/11 अटैक और यहां तक कि अपनी मौत के बारे में भी बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी की थी। अब बाबा के फॉलोवर्स ने बताया कि 2024 के लिए उन्होंने जो भविष्यवाणियां की थीं। सब सच साबित हो रही हैं।

बाबा वेंगा ने चेतावनी दी थी कि 2024 में यूरोप में कई आतंकी हमले हो सकते हैं। हाल ही में रूस के मॉस्को में हुआ आतंकी हमला इस बात का संकेत देता है कि उन्होंने बिल्कुल सटीक भविष्यवाणी की थी। वेंगा की भविष्यवाणी को देखकर जर्मनी सहित पूरा यूरोप इन दिनों हाईअलर्ट पर है।

बाबा वेंगा ने कहा था कि साइबर हमलों में तेजी आएगी। ऐसा होने लगा है। ग्रेग्स, मैकडॉनल्ड्स, टेस्को और सेन्सबरीज सहित कई कंपनियों में हैकिंग के हालात बने। यहां तक कि कई देशों की एजेंसियां भी हैकरों के निशाने पर थीं। ब्रिटिश स्वास्थ्य सेवा से जुड़े मरीजों का डेटा वायरल करने की धमकी तक दी। पावर ग्रिड, वाटर सिस्टम पर हमले हुए। बाबा वेंगा ने कहा था कि तकनीक और चिकत्सा के क्षेत्र में कमाल का साल रहेगा। सच में ऐसा हो रहा है। अल्जाइमर और कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों के इलाज का रास्ता मिलता दिख रहा है। ऐसा टीका बना है, जो अल्जाइमर से बचा सकता है। कैंसर की दवा की खोज हो गई है। इस दवा को लेने के बाद कैंसर के मरीज चार गुना ज्यादा जिंदगी जी सकते हैं।

1. बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि इस साल रूस के राष्ट्रपति पुतिन की हत्या का प्रयास किया जाएगा। उनके ही देश का एक शख्स ऐसा करने वाला है।

2. एलियन से मुठभेड़ का दावा भी उन्होंने किया था। इसकी पुष्टि नहीं हुई। लेकिन कई जगह यूएफओ मिलने के दावे जरूर किए गए। एक यूएफओ भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्र के ऊपर भी मंडराता हुआ नजर आया। अभी आठ महीने बाकी हैं।

3.बाबा वेंगा के मुताबिक, 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा देश जैविक हथियारों का टेस्ट कर सकता है। अगर ऐसा हुआ तब मानव जाति पर नया संकट आएगा।

4. बाबा वेंगा ने 2024 में ग्लोबल वॉर्मिंग की चेतावनी दी है। भयानक गर्मी परेशान करने वाली है। इससे भारी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी।

5. बाबा वेंगा के अनुसार साल 2024 में पूरा विश्व एक बड़े आर्थिक संकट से गुजरने वाला है। कई देश गहरे आर्थिक संकट में घिर जाएंगे।

भारत के दो कट्टर दुश्मनों में हो गई भिड़ंत, किस बात पर पाकिस्तान पर टूट पड़ा कनाडा

ताइपे(एजेंसी)। अगले साल कनाडा में चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में वहां पनप रहे खालिस्तानियों की वजह से काफी हंगामा देखने को भी मिल रहा है। लेकिन इन सब के बीच खालिस्तानियों के समर्थन से राजनीति करने वाले जस्टिन ट्रूडो ने एक बार फिर अपने देश में चल रही दिक्कतों के लिए दूसरे देशों पर ऊंगली उठाना शुरू कर दिया है। इस बार भारत के कट्टर दुश्मन पाकिस्तान पर कनाडा ने बड़ा आरोप लगाया है। कनाडा की जासूसी एजेंसी ने कहा है कि पाकिस्तान देश में विदेशी हस्तक्षेप गतिविधि में शामिल हो सकता है। जून 2019 की वर्गीकृत ब्रीफिंग में पाकिस्तान का हवाला दिया गया था, जिसे कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) द्वारा संघीय चुनावी प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक संस्थानों में विदेशी हस्तक्षेप की सार्वजनिक जांच के लिए प्रस्तुत किया गया था, जिसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति मैरी-जोसी हॉग ने की थी। सीएसआईएस जनादेश और खतरा परिदृश्य शीर्षक वाले दस्तावेज़ में कनाडा में इस्लामाबाद की कथित विदेशी हस्तक्षेप (एफआई) गतिविधि की संभावित प्रकृति के बारे में जानकारी शामिल है।

दस्तावेज में कहा गया कि कनाडा में पाकिस्तानी अधिकारियों ने कनाडा में पाकिस्तानी हितों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, संभवतः पाकिस्तानी मूल के कनाडाई राजनेताओं को प्रभावित करने की कोशिश की है। पाकिस्तान के बारे में शेष भाग को संशोधित कर दिया गया है। इससे पाकिस्तान की संभावित एफआई संलिप्तता के बारे में नए खुलासे होते हैं, जो जांच में सामने आए हैं। कनाडा के सुरक्षा और खुफिया खतरों से चुनाव कार्य बल (स्ढ्ढञ्जश्व) ञ्जस्न के जुलाई 2021 के ब्रीफिंग दस्तावेज़ में भी पाकिस्तान का उल्लेख है, लेकिन उस अनुभाग की सभी प्रासंगिक जानकारी को संशोधित कर दिया गया है।

सीएसआईएस दस्तावेज़ ने कनाडा में एफआई गतिविधि को अंजाम देने वाले मुख्य अभिनेताओं की पहचान चीन और रूस के रूप में की है। हालाँकि, इसमें भारत और ईरान भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि सिख

चरमपंथी खतरा, और कनाडा में सिख समुदाय की निगरानी करना, कनाडा में भारतीय अधिकारियों के लिए प्राथमिकता है। एसआईटीई टीएफ ने कहा कि भारत राजनीतिक परिणामों को अपने पक्ष में करने के लिए अपने प्रवासी भारतीयों को शामिल करने में रुचि रखता है।

टाटा ग्रुप की सभी एयरलाइंस के पायलट हुए एकजुट, कम पैसा काम ज्यादा को लेकर परेशान

मुंबई। विस्तारा के पायलटों द्वारा खराब रोस्टरिंग और काम करने की स्थित के बारे में जो चिंता जाहिर की हैं, उन्हें अब टाटा ग्रुप की बाकी एयरलाइंस के उनके सहकर्मियों ने भी दोहराया है। इसके बारे में अब पायलट यूनियनों ने टाटा ग्रुप के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन को लिखा है। यूनियन के मुताबिक, विस्तारा के पायलटों की मांगे जायज हैं और ये मुद्दे पूरे टाटा ग्रुप की एयरलाइंस में मौजूद हैं। देश में एयरलाइंस के पायलट, जिसमें अब टाटा ग्रुप की एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और आकाश शामिल हैं, लगातार उड़ान भरने, लगभग हमेशा फ्लाइट चलाने के लिए स्टैंडबाय पर रहने, कम सैलरी और पर्याप्त आराम नहीं मिलने की वजह से थकान की शिकायत करते आ रहे हैं। डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने पायलटों के लिए अधिक मानवीय उड़ान ड्यूटी के नियम लाने की कोशिश की थी, लेकिन इस लागू करने को टाल दिया गया है। किसी भी एयरलाइन ने डीजीसीए द्वारा प्रस्तावित बदलावों को लागू करने की इच्छा नहीं जाहिर की, क्योंकि इससे पायलटों की जरूरत बढ़ जाती और उनकी वेतन लागत में भी इजाफा होता। इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन और इंडियन पायलट्स गिल्ड ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन को लिखा है कि विस्तारा के पायलट निश्चित 70 घंटे के वेतन, बेहतर काम करने की स्थिति और स्थिर रोस्टर की मांग को लेकर दृढ़ रहे हैं। हमारा पूरा विश्वास है कि उनकी मांगें न सिर्फ वाजिब हैं बल्कि टाटा समूह की एयरलाइंस में व्याप्त व्यापक चुनौतियों को भी दर्शाती हैं। 70 घंटे के निश्चित वेतन, छुट्टियों की मंजूरी, पर्याप्त आराम समय, अस्थिर रोस्टर, पायलटों को ज्यादा से ज्यादा उड़ान ड्यूटी के लिए खींचना, खराब रोस्टर और असहयोगी काम करने के माहौल जैसे मुद्दे टाटा ग्रुप की विभिन्न एयरलाइंस के पायलटों द्वारा लगातार उठाए जा रहे हैं। पायलटों के साथ बंधुआ मजदूरों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। इसतरह के कई उदाहरण हैं, जहां एचआर ने पायलटों को गंभीर परिणामों की धमकी दी है।

मतदान का प्रतिशत बढ़ाने आयोग 11 राज्यों से करेगा बातचीत

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में पिछले चुनावों के मुकाबले इस लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास तेज करते हुए केंद्रीय चुनाव आयोग ने आज उन 11 राज्यों के नगर निगम आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा, जहां पूर्व में कम मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया था। आयोग ने ग्रामीण और शहरी दोनों संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान की है जहां पिछले बार कम मतदान हुआ था। अपनी तरह की इस अनूठी पहल में, आयोग सबसे कम मतदान प्रतिशत वाले 11 राज्यों के नगर निगम आयुक्तों और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा। आयोग ने कहा कि बैठक में 19 अप्रैल से सात चरणों में शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान बढ़ाने के तरीकों पर बातचीत की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार करेंगे और इस बैठक में निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू भी मौजूद रहेंगे। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चयनित 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महाराष्ट्र, उत्तराखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और झारखंड शामिल हैं। 2019 के संसदीय चुनावों में इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदान औसत 67.40 प्रतिशत से कम रहा था जिसको लेकर आयोग चिंतित था इसलिए इस बार मतदान प्रतिशत बढ़ाने कर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। आयोग द्वारा मतदाता जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है।

यूपी के 16 हजार मदरसों को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश मदरसा एजुकेशन एक्ट को रद्द करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा संचालकों की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई कर फैसला दिया है। मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने मामले में केंद्र और यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी बेंच में शामिल थे। बेंच ने कहा, मदरसा बोर्ड का उद्देश्य नियामक है। इलाहाबाद हाई कोर्ट का यह कहना पहली नजर में ठीक नहीं है कि मदरसा एजुकेशन बोर्ड का गठन करना सेकुलरिज्म के खिलाफ है। बता दें कि बीते सप्ताह ही इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी सरकार को आदेश दिया था कि वह मदरसे के छात्रों को आम स्कूलों में ट्रांसफर करे और उनका नामांकन कराए। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ मदरसा अजीजिया इजाजुतूल उलूम के मैनेजर अंजुम कादरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इससे पहले 22 मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने यूपी मदरसा एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार देकर निरस्त कर दिया था। इसके बाद यूपी में संचालित करीब 16 हजार मदरसों की मान्यता को योगी सरकार ने खत्म कर दिया था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने मदरसा संचालकों को बड़ी राहत दी है।

गोवा में फिर खनन शुरू, सीएम सावंत ने की सराहना

पणजी। 12 सालों के बाद गोवा में खनन फिर से शुरू किया गया है। 2012 से खनन पर प्रतिबंध के बाद हितधारकों, लोगों और राज्य को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। खनन से शुरु होने पर राज्य के मुख्यमंत्री ने सराहना की है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गुरुवार 12 सालों के अंतराल के बाद प्रदेश में खनन गतिविधि फिर से शुरू किए जाने की सराहना की और इसे ऐतिहासिक दिन बताया। सीएम सावंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा-यह गोवा के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मैं बिचोलिम (उत्तरी गोवा में) में खनन शुरू करने के लिए वेदांता को बधाई देता हूं। इसने गोवा राज्य की प्रमुख आर्थिक रीढ़ में से एक को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने आगे लिखा कि 2012 से खनन पर प्रतिबंध की वजह से हितधारकों, लोगों और प्रदेश को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सांवत ने मुद्दे को हल करने के लिए लगातार समर्थन के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को भी धन्यवाद दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि हमारी सरकार के लगातार प्रयासों से हमने राज्य में खनन ब्लॉकों की नीलामी के लिए एक पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई है। इससे कई हितधारकों को रोजगार सृजन में लाभ मिलेगा और राज्य को बढ़ा हुआ राजस्व मिलेगा। सीएम ने कहा कि बढ़े हुए राजस्व से राज्य में कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विकास में अधिक निवेश करने और राज्य को विकास की ओर ले जाने की क्षमता भी बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तानी सूफी संत से जुड़ी याचिका खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें भारत में जन्मे पाकिस्तानी सूफी संत के नश्वर अवशेषों को उनकी इच्छा का सम्मान करके प्रयागराज में फिर से दफनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग हुई थी। याचिका में 1992 में पाकिस्तानी नागरिकता हासिल करने वाले इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के पूर्व मूल निवासी हजरत शाह मुहम्मद अब्दुल मुक्तदिर शाह मसूद अहमद द्वारा की गई वसीयत का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि उनके पार्थिव शरीर को शहर की दरगाह में दफनाया जाएगा, जिसकी उन्होंने अध्यक्षता की थी। सुप्रीम कोर्ट ने दरगाह द्वारा दायर याचिका को खारिज कर कहा कि वह एक पाकिस्तानी नागरिक थे। आप कैसे उम्मीद करते हैं, कि भारत सरकार उसके अवशेषों को भारत में फिर से दफनाने के लिए लाएगी। ऐसा कोई अधिकार नहीं है, जिसके प्रवर्तन की मांग की जा सके। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि हमें संवैधानिक अधिकारों के प्रवर्तन के सिद्धांतों के अनुसार भी चलना होगा। उन्होंने कहा कि अगर वह भारतीय नागरिक होते, तब याचिका पर ध्यान दे सकते थे। दरगाह की ओर से पेश वकील ने कहा कि अहमद का पाकिस्तान में कोई परिवार नहीं है और इसके अलावा, सूफी संत दरगाह के सज्जादा नशीन थे। सूफी परंपरा में, सज्जादा नशीन एक सूफी संत का उत्तराधिकारी होता है जो किसी मंदिर का प्रमुख होता है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठे दावों-वादों का पुलिंदा मात्र: अनुराग सिंह ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज कांग्रेस द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र और पांच न्याय, 25 गारंटी के ऊपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज कांग्रेस पर कोई विश्वास नहीं करता और इनका घोषणा पत्र सिर्फ़ झूठे दावे-वादों का पुलिंदा मात्र है। देश में आज सिर्फ एक ही गारंटी चलती है और वह है मोदी की गारंटी।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र सिर्फ़ झूठे दावों-वादों का पुलिंदा मात्र है। कांग्रेस ने 60 सालों में देश को सिर्फ़ छला है और इसी वजह से अब जनता इनके बहकावों में नहीं आने वाली है। इनके पूरा का पूरा घोषणा पत्र उनके मौजूदक क्रियाकलापों के विपरीत है। महिला न्याय की बात करने वाली कांग्रेस के शीर्ष से लेकर गली के नेता आये दिन महिलाओं के बारे में कैसी अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं ये किसी से छिपा नहीं है।न्याय पत्र लाने वाली कांग्रेस ये क्यों नहीं बताती कि पिछले 7 दशक में देश के साथ सबसे ज़्यादा अन्याय करने वाली कांग्रेस पार्टी ही है। इनके किए घोटाले, दिए अत्याचार, थोपे आपातकाल को देश आज भी नहीं भूला है। जैसे देश की निगाहों में कांग्रेस अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है उसी तरह इनका घोषणा पत्र भी सिर्फ़ खोखली बातों का पुलिंदा है। आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा भारतीय जनता पार्टी जो कहती है वह करती है। वहीं कांग्रेस सिर्फ कहती है, करती कुछ नहीं। हमने कहा था जम्मू कश्मीर से धारा 370 और 35 से हटाएंगे, हटाया। हमने कहा था सीएए लागू करेंगे, लागू किया। हमने कहा था राम मंदिर बनाएंगे, राम मंदिर भी बनाया, हमने कहा था ट्रिपल तलाक हटाएंगे, हटाया। इन्होंने कर्नाटक और हिमाचल में जो गारंटी दी उसे पूरा नहीं कर पाए जिसके कारण इनके खुद के विधायक आज इनको छोड़कर जा रहे हैं।'

कांग्रेस की नौकरी गारंटी पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुराग ठाकुर ने बताया कि पिछले 1 वर्ष में मोदी सरकार ने 10 लाख सरकारी नौकरियां दी हैं। वहीं अगर ईपीएफओ का डाटा देखा जाए तो पिछले 6 वर्षों में 7 करोड़ 60 लाख से ज्यादा लोग रजिस्टर हुए हैं। 30 करोड़ से ज्यादा ई-श्रम कार्ड दिए गए हैं। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि कांग्रेस 60 वर्षों तक देश पर राज करती रही और सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया लेकिन गरीबी नहीं हटी आज एक गरीब मां के बेटे ने देश के 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। 80 करोड़ गरीबों को निःशुल्क राशन, 12 करोड़ शौचालय, 4 करोड़ गरीबों को घर, 10 करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला कनेक्शन, 14 करोड़ से ज्यादा लोगों को नल से जल, 60 करोड़ गरीबों को 5 लाख तक का स्वास्थ्य का खर्च आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने दिया है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस कहती है कि लोकतंत्र खत्म हो रहा है पर असल में लोकतंत्र नहीं सनातन विरोधी खत्म हो रहे हैं। आज लोकतंत्र नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और कट मनी खत्म हो रहा है। लोकतंत्र तो भाजपा के राज्य में मजबूत हुआ है। जम्मू कश्मीर में पंचायत चुनाव हुए। इमरजेंसी लगाने वाली पार्टी लोकतंत्र बचाने की बात करती है तो हास्यास्पद लगता है।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से तंग जनता अब सत्ता परिवर्तन चाहती है : सुले

नई दिल्ली। सांसद एवं एनसीपी संस्थापक शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले को एनसीपी ने महाराष्ट्र के पुणे जिले में बारामती लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। उनका मुकाबला उनकी भाभी और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से है। यह सीट देश में चर्चा का विषय बनी है लोगों में उत्सुकता है कि देखें ननद-भौजाई में कौन बाजी मारता है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि देश में लोग बदलाव चाहते हैं, क्योंकि वे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई से तंग आ चुके हैं। उन्होंने वर्तमान सरकार पर महिला एवं किसान विरोधी होने का आरोप भी लगाया। सुले ने बिजली की दरों में वृद्धि के खिलाफ अपनी पार्टी की शहर इकाई द्वारा आयोजित प्रदर्शन से इतर कहा कि देश में लोग बदलाव चाहते हैं, क्योंकि वे भ्रष्टाचार, बेरोजगारी एवं महंगाई से तंग आ चुके हैं। चूंकि केंद्र में बैठी यह सरकार महिला एवं किसान विरोधी है। सुले से एनसीपी नेता एकनाथ खडसे के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि वह इसके बारे में कुछ नहीं कह सकती हैं, क्योंकि वह अपने क्षेत्र में सूखे की स्थिति से निपटने में व्यस्त हैं। जब सुले से इस खबर के बारे में पूछा गया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 30 फीसदी से अधिक छात्रों को नौकरी नहीं मिली है तो उन्होंने कहा कि यह देश में बढ़ती बेरोजगारी को दर्शाता है। बता दें बारामती में चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा। मतों की गणना चार जून को होगी।

हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने सबूतों और दस्तावेजों से कस दिया शिकंजा

-चार्जशीट में पीले और ब्राऊन कलर की फाइल का जिक्र

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी को जहां इंडिया गठबंधन राजनीतिक मंच पर विक्टिम कार्ड के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। वहीं ईडी ने सभी सबूतों और दस्तावेजों के साथ अदालत में हेमंत सोरेन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। ईडी ने चार्जशीट में भानु प्रताप प्रसाद, हेमंत सोरेन, राजकुमार, हिलारियास कच्छप और बिनोद सिंह को आरोपी बनाया है। रेवेन्यू ऑफिसर भानु प्रताप के ठिकाने से संपत्तियों के 17 असली रजिस्टर (पंजी) मिले हैं। ईडी ने बताया है कि भानु प्रताप के चैंबर से 44 पेज की फाइल मिली। ये सोरेन की 8.86 एकड़ जमीन की फाइल थी, जिस पर लाल इंक से एक पीले रंग के नोट में लिखा हुआ था सीएम भुईहरी बड़ागाई। ईडी ने बताया कि साथ ही ब्राउन कलर की फाइल में सीएमओ अर्जेंट पिटो लिखा हुआ था। चार्जशीट में बताया गया है कि पिटो नाम का शख्स अभिषेक प्रसाद था, जिसे सोरेन के मीडिया एडवाइजर उदय शंकर ने सर्किल ऑफिसर से जमीन का वेरिफिकेशन कराने के लिए कहा था। हेमंत सोरेन ने रांची के बारगेन इलाके में 8.86 एकड़ जमीन पर 2011 से कब्जा किया हुआ था। इस संपत्ति की कीमत 31 करोड़ जो ईडी ने अटैच कर ली है। ये कब्जा सीएम ने अपने खास गुर्गों रंजीत सिंह, हिलारियास कच्छप और राजकुमार के जरिए किया था। ईडी के मुताबिक भानुप्रसाद सरकारी जमीनों के दस्तावेज में बदलाव कर नए दस्तावेज बनाकर जमीन कब्जाने का एक बड़ा सिंडिकेट चला रहा था। जिसमें सीएम सोरेन से लेकर कई सरकारी अफसर मिले हुए थे। ईडी ने इस प्रॉपर्टी के जो 2 सर्वे किए उसकी फोटो भी चार्जशीट में लगी। इसमें आरोपी भानुप्रताप भी साथ में है। प्रॉपर्टी के केयरटेकर संतोष मुंडा ने बताया कि ये प्रॉपर्टी हेमंत सोरेन (मंत्री जी) की है। आरोपी कुमार के मोबाइल से एक फोटो मिली जिससे पता चला कि वहां एक बैंक्वेट हाल बनाने की तैयारी थी। पूर्व सीएम सोरेन ने ईडी को दिए गए बयान में कहा कि इस प्रॉपर्टी के बारे में उन्हें कुछ नहीं पता। बिनोद के साथ हुए चैट के बारे में भी उन्होंने कुछ नहीं बताया। भानुप्रताप सोरेन को बॉस कहता था। उसी ने सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी कर 8.86 जमीन पर हेमंत सोरेन को कब्जा करवाया। आरोपी सद्दाम हुसैन और इम्तियाज अहमद के यहां ऐसी डायरियां मिलीं, जिसमें भानुप्रताप को दिए गए पैसों के लेनदेन का हाथ से लिखा हुआ हिसाब-किताब था। सद्दाम के मोबाइल फोन से भानुप्रताप को दिए गए पैसे के कई संदेश मिले हैं। उसने सहाय भैया 1 नाम से नंबर सेव किया हुआ था। ईडी ने 33 गवाहों के बयान लिए और हजारों पेज के दस्तावेज जब्त किए। ईडी ने मामले में 51 बार छापेमारी की और 9 सर्वे किए। आरोपियों के यहां से 1.25 करोड़ कैश और 3.56 करोड़ का बैंक बैलेंस बरामद किया। हेमंत सोरेन के दिल्ली के घर से 36 लाख कैश और एक बीएमडब्ल्यू कार बरामद की गई थी। अब ईडी ने इस सिंडिकेट की 256 करोड़ की जमीन अटैच की।

जयपुर में कांग्रेस की रैली शनिवार को, खरगे व सोनिया गांधी भी भाग लेंगे

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य नेता शनिवार को जयपुर में पार्टी की चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक प्रवक्ता ने बताया, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे कल जयपुर में बड़ी जनसभा करेंगे और लोगों को पार्टी के घोषणापत्र के बारे में बतायेंगे। कल की जनसभा को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। यह रैली जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में होगी।'' पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले में एक्स पर लिखा, ''न्याय की गारंटी देने वाले कांग्रेस के घोषणापत्र न्याय पत्र को लॉन्च करने के लिए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कल जयपुर पधार रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'मेरा सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से निवेदन है कि कल छह अप्रैलको 11 बजे जयपुर के विद्याधर नगर मैदान में पहुंचकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में लोकसभा चुनाव दो चरणों में 19 और 26 अप्रैल को होंगे। पहले चरण में 19 अप्रैल को 12 सीटों गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर में मतदान होगा। वहीं दूसरे चरण में 13 सीटों टोंक, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़पर 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान होगा।

अधर में अटके पप्पू यादव... कांग्रेस ने समर्थन करने से किया इंकार

पटना (एजेंसी)। अभी हाल में ही कांग्रेस में अपनी पार्टी का विलय करने वाले राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव बगावती तेवर दिखाते हुए पूर्णिया से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन दाखिल किया है। लेकिन इंडिया गठबंधन की पार्टियों के बीच सीट बंटवारे में पूर्णिया सीट आरजेडी के खाते में गई थी। पप्पू के नामांकन दाखिल करने के बाद कांग्रेस का बयान सामने आया है। बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पप्पू यादव के नामांकन को लेकर पार्टी की स्थिति साफ करते हुए कहा कि पूर्णिया से किसी को टिकट नहीं दिया गया है। अगर पप्पू यादव ने पर्चा दाखिल किया है, तब वे महागठबंधन के नेता नहीं।

दरअसल गुरुवार को असंतुष्ट कांग्रेस नेता बाइक पर सवार होकर अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए पहुंचे। पप्पू यादव जब आरओ कार्यालय पहुंचे, तब वहां कोई भी कांग्रेस नेता मौजूद नहीं था। अपना नामांकन दाखिल करने से कुछ क्षण पहले उन्होंने कहा कि मैं अपनी आखिरी सांस तक कांग्रेस के साथ रहूंगा। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद उन्होंने ने कहा, ''मुझे कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है। मैं एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहा हूं। कई लोगों ने मेरी राजनीतिक हत्या करने की साजिश रची।

पप्पू यादव ने हाल में ही में बेटे सार्थक के साथ 2015 में बनी अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी का विलय कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के टिकट पर मधेपुरा लोकसभा सीट जीतने के एक साल बाद ही पार्टी से नाता तोड़कर जन अधिकार पार्टी बनाई थी। पूर्णिया और मधेपुरा के साथ सुपौल सीट भी महागठबंधन के बीच सीट बंटवारे के तहत आरजेडी के खाते में चली गई। इससे उनकी सुपौल सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की योजना विफल हो गई। सुपौल सीट का प्रतिनिधित्व पहले उनकी पत्नी रंजीत रंजन करती थीं।

अखिलेश के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा टिकट वितरण सिस्टम, सपा के भीतर मच रहा भारी घमासान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को टिकट देने में पसीने छूट रहे हैं। यहां टिकट मांगने वाले ज्यादा है और न मानने वालों की संख्या भी काफी अधिक है। यही वजह है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मुश्किलें बढ़ रहीं हैं और पार्टी के भीतर घमासान शुरु हो गया है। मतलब साफ है कि चुनाव प्रचार से दूर अभी टिकट वितरण में उलझी सपा अब अपने ही चक्रव्यूह में फंसती दिख रही है। पश्चिमी यूपी में जिस तरह बार-बार प्रत्याशी बदलने का सिलसिला चल रहा है, उससे पार्टी के लिए नई मुश्किलें खड़ी हो गईं। जिनका टिकट कट गया है, उन्हें अपने समर्थकों को समझाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे मायूस नेताओं को समझा कर उन्हें प्रचार में लगाना व उत्साहित करना सपा के लिए अब नई चुनौती आ खड़ी हुई है। वैसे पार्टी टिकटों में बदलाव को मजबूत प्रत्याशी की तलाश का आधार बता रही है।

मुरादाबाद में एसटी हसन को भी टिकट देने का निर्णय हो चुका था लेकिन फिर भी रुचिवीरा प्रत्याशी हो गईं। मौजूदा सांसद एसटी हसन कहते हैं अब क्या किया जा सकता है। मुरादाबाद में नाटकीय व रोचक घटनाक्रम के बाद अब मेरठ में नया खेल हो गया। पहले सामान्य सीट पर पार्टी ने दलित प्रत्याशी भानु प्रताप को उतार दिया लेकिन यहां के टिकट के लिए तीन विधायक अतुल प्रधान, रफीक अंसारी व शाहिद मंजूर भी रेस में थे। बाजी हाथ लगी अतुल प्रधान के, जो अपना टिकट पक्का कराने के लिए अखिलेश के पीछे पीछे दिल्ली पहुंच गए। अखिलेश यादव से उन्होंने अपना टिकट पक्का करा लिया और नामांकन करा दिया लेकिन फिर बाजी पलटी और बाजी हाथ लगी सुनीता वर्मा के। टिकट कटने के बाद अतुल प्रधान भी मायूस दिखे लेकिन उन्होंने मीडिया से कहा कि वह पार्टी के प्रचार में पूरी तरह लगेंगे। रामपुर में पहले से आजम खां गुट के तेवर बगावती हैं। आजम खां के खास आसिम रजा ने भी नामांकन कर दिया लेकिन अखिलेश ने सख्त तेवर दिखाए और सपा के वह अधिकृत प्रत्याशी नहीं बन सके। अब वह कितना सहयोग नए प्रत्याशी के लिए कर रहे हैं, यह रामपुर में साफ दिख रहा है।

बागपत, संभल, मिश्रिख, बदायूं, बिजनौर, मुरादाबाद, गौतमबुद्ध नगर, मुरादाबाद, मेरठ में टिकट बदले जा चुके हैं। अध्यक्ष अखिलेश यादव अब तक मुरादाबाद, रामपुर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, गौतमबुद्ध नगर, बदायूं और मिश्रिख सीट से उम्मीदवार बदल चुके हैं। अभी और भी कई सीटों पर प्रत्याशी बदले जाने की तैयारी है। माना जा रहा है कि घोसी में घोषित प्रत्याशी राजीव राय की जगह दूसरे पर दांव लगाया जा सकता है। 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा में पहले से आंतरिक घमासान मचा था। ऐसे सपा की कमान अपने हाथ में लेने व कांग्रेस के साथ गठजोड़ करने के बाद अखिलेश यादव ने उस वक्त कई प्रत्याशियों को बदल दिया। इससे दोहरा नुकसान हुआ। एक तो जिसे ऐन वक्त पर टिकट दिया गया वह वक्त की कमी के चलते पूरी शिद्दत से प्रचार में नहीं लग पाया और जिसका टिकट कटा उसके समर्थक मायूस होकर घर बैठ गए। उस चुनाव में सपा के सत्ता से बाहर होने व 224 से 47 सीटों पर पहुंचने की तमाम वजहों में एक बड़ा कारण यह भी रहा।

यह नई मुश्किल ऐसे वक्त में आई है, जब चुनाव का पहला चरण 19 अप्रैल से शुरू हो रहा है और पार्टी का मुकम्मल प्रचार अभियान शुरू नहीं हो पाया है। अखिलेश यादव के चुनावी दौरे, चुनावी घोषणा पत्र, कांग्रेस के साथ संयुक्त रैलियां आदि अभियान टिकट वितरण में इस तरह के खेल से प्रभावित हो सकते हैं। हालत यह है कि सपा में कब किसका टिकट कट जाए, कट कर दुबारा मिल जाए और फिर टिकट कट जाए। कोई पक्की तौर पर नहीं कर सकता। ताजा उदाहरण तो मेरठ का है।

फिर एक बार, मोदी सरकार के नारे के साथ स्थापना दिवस कार्यक्रम करेगी भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा ने 6 अप्रैल को अपना स्थापना दिवस मनाने के लिए देश भर में विशेष तैयारी कर ली है। पार्टी फिर एक बार, मोदी सरकार के नारे के साथ देश भर के 10 लाख से ज्यादा बूथों पर विशेष कार्यक्रम करने जा रही है। पार्टी बूथ स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के द्वारा लोगों खासकर लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें मोदी सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताएगी। इसके साथ ही पार्टी 6 अप्रैल को देशभर में बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक विपक्षी दलों के नेताओं को पार्टी में शामिल करा कर एक नया रिकॉर्ड बनाने की भी तैयारी कर रही है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के मुताबिक, भाजपा ने इस बार अपने दम पर 370 और एनडीए गठबंधन के साथ 400 पार जाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पार्टी ने देश भर के प्रत्येक बूथ पर पिछले चुनाव के मुकाबले 370 वोट ज्यादा बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इस कारण पार्टी ने अपने स्थापना दिवस के मौके पर 6 अप्रैल को देश के सभी राज्यों में प्रदेश, लोकसभा, जिला, विधानसभा, मंडल और बूथ स्तर तक जाकर मतदाताओं के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को भी उत्साहित करने की विशेष योजना बनाई है। पार्टी देशभर के कार्यकर्ताओं को फिर एक बार, मोदी सरकार-अबकी बार, 400 पार के नारे के साथ प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के संकल्प को साकार करने के अभियान में अथक परिश्रम के साथ जुट जाने का आह्वान भी स्थापना दिवस के मौके पर फिर से करेगी।

पार्टी इन कार्यक्रमों के द्वारा देशभर के मतदाताओं तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास करेगी कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक ओर जहां गरीब, किसान, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए ढेर सारे ऐतिहासिक कार्य हुए हैं, वहीं दूसरी ओर आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति करते हुए भारत के मान-सम्मान को बढ़ाने एवं संस्कृति और विरासत के क्षेत्र में भी अद्वितीय कार्य हुए हैं।

भाजपा 6 अप्रैल को इन कार्यक्रमों में हर स्तर पर अपने पुराने एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी करेगी। इन कार्यक्रमों में विशेष तौर पर उस इलाके के बुद्धिजीवी और प्रबुद्ध लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा देशभर में बने पार्टी के सभी कार्यालयों को सजाया जा रहा है, जहां शनिवार को पार्टी का झंडा भी फहराया जाएगा। इतना ही नहीं पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ता भी स्थापना दिवस के मौके पर अपने-अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाएंगे। विधानसभा स्तर पर देशभर में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता पार्टी के झंडे के साथ पदयात्रा और बाइक रैली निकलने वाले है।

बता दें कि भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित कार्यकर्ता अधिवेशन में हुई थी और पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी इसके पहले अध्यक्ष चुने गए थे। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि भाजपा का गठन भले ही वर्ष 1980 में हुआ हो, लेकिन इसका इतिहास भारतीय जनसंघ से जुड़ा हुआ है। भारतीय जनसंघ की स्थापना डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में 1951 में हुई थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई